प्रेरणास्रोत पूज्यनीय राजनलाल गौतम जी

यूनिक समय

INS ACCREDITED
यूनिकॉम एडवरटाइजिंग
unicomadvertising.com

डीएवीपी द्वारा मान्यता प्राप्त
डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026–28

Sweety BY MR GROUP Presents
Unique Samay Update
uniquesamay.com

वर्ष-4 | अंक-99 | सांध्य दैनिक | मथुरा, शुक्रवार, 5 जून 2026 | पेज-12 | 5 रुपया | www.facebook.com/uniquesamay | X.com/Theuniquesamay | www.linkedin.com/in/uniquesamay

मथुरा–वृंदावन के होटल–गेस्ट हाउस प्रशासन के रडार पर

10 होटलों को थमाए नोटिस

फायर विभाग को भी मिलीं कमियां

दिल्ली हादसे के बाद सुरक्षा जांच तेज

यूनिक समय, मथुरा। धार्मिक और पर्यटन नगरी मथुरा–वृंदावन में पर्यटकों की बढ़ती संख्या के साथ होटल और गेस्ट हाउसों की संख्या भी तेजी से बढ़ी है। मुख्य मार्गों से लेकर तंग गलियों तक बड़ी संख्या में होटल और गेस्ट हाउस संचालित हो रहे हैं, लेकिन इनमें से कई स्थानों पर सुरक्षा मानकों की अनदेखी सामने आ रही है। दिल्ली में हुए हालिया हादसे के बाद प्रशासन ने अब ऐसे प्रतिष्ठानों की जांच तेज कर दी है। होटल एवं रेस्टोरेंट एसोसिएशन के अध्यक्ष महेंद्र प्रताप सिंह के अनुसार

मथुरा–वृंदावन में 500 से अधिक होटल और रेस्टोरेंट संचालित हैं, जबकि एक हजार से ज्यादा गेस्ट हाउस होने का अनुमान है। इनमें से कई स्थानों पर आग से बचाव और आपातकालीन सुरक्षा व्यवस्था पर्याप्त नहीं है।

दिल्ली हादसे के बाद विद्युत सुरक्षा विभाग और फायर विभाग की संयुक्त कार्रवाई में कई कमियां उजागर हुई हैं। विद्युत सुरक्षा विभाग की सहायक निदेशक निधि जादौन और उपखंड अधिकारी संदीप वार्ष्णेय ने प्रेम मंदिर और रमणरेती क्षेत्र के विभिन्न होटलों का निरीक्षण किया। जांच के दौरान सुरक्षा मानकों की अनदेखी पाए जाने पर करीब 10 होटलों को नोटिस जारी किया गया। वहीं, फायर विभाग की टीम को एक होटल के निरीक्षण के दौरान किचन क्षेत्र में अव्यवस्था मिलीं। कई स्थानों पर सामान इस तरह रखा गया था जिससे आग लगने का खतरा बढ़ सकता था। किचन का रास्ता भी संकरा मिला, जिससे आपात स्थिति में लोगों को बाहर निकालने में परेशानी हो सकती है। निरीक्षण के दौरान दमकल विभाग ने होटल परिसर में स्थापित पंप स्टेशन की भी जांच की।

मुख्य अग्निशमन अधिकारी अरुण कुमार सिंह ने पंप को डीजल और इलेक्ट्रिक दोनों मोड पर चलवाकर देखा। जांच में पंप का ऑटो मोड सही तरीके से काम करता नहीं मिला, जिस पर उन्होंने नाराजगी जताई और तत्काल सुधार के निर्देश देते हुए नोटिस थमा दिए। सीएफओ ने बताया कि महानिदेशक अग्निशमन के निर्देश पर पूरे उत्तर प्रदेश में होटल, गेस्ट हाउस और अन्य व्यावसायिक प्रतिष्ठानों की विशेष जांच चल रही है। जहां कमियां मिल रही हैं, वहां नोटिस दिए जा रहे हैं और सुरक्षा मानकों का पालन न करने वालों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। निरीक्षण के दौरान फायर स्टेशन अधिकारी नरेश पाल सिंह, फायर कर्मी भूदेव सिंह, विक्रम यादव सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

थाना बरसाना में आधी रात हुआ हाई–वोल्टेज ड्रामा

मंत्री प्रतिनिधि और पुलिसकर्मियों के बीच तीखी नोंक–झोंक

थाना बरसाना में मंत्री प्रतिनिधि नरदेव चौधरी और पुलिसकर्मियों नोंक-झोंक होती हुई।

अमृत सरोवर से मिट्टी खनन की जानकारी पर पकड़े थे दो लोग

पुलिस ने लाखन आदि पर दर्ज किया मुकदमा

पुलिस पर भी लगाए मारपीट के आरोप

यूनिक समय, मथुरा। इंटरनेट मीडिया पर इस प्रकरण से जुड़ा एक और वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें सूरजपाल कह रहा हैं कि दरोगा जी ट्रेक्टर और जेसीबी ले जा रहे थे,हमने पूछा क्यों ले जा रहे हैं,इस पर दरोगा जी ने धक्का मारा और गाड़ी में डाल दिया। गाड़ी में भी मुक्का मारे। तालाब का काम चल रहा है, कोई खनन नहीं हो रहा।

यूनिक समय,मथुरा। थाना बरसाना में शुक्रवार बीती रात जमकर हाई वोल्टैज ड्रामा हुआ। मंत्री प्रतिनिधि और पुलिसकर्मियों के बीच तीखी नोंक– झोंक भी हुई। इंटरनेट मीडिया पर वायरल वीडियो में धक्का– मुक्की और गाली– गलौच भी सुनने को मिल रही है। काफी देर तक चली धींगा–मुस्ती के बाद मंत्री प्रतिनिधि मिट्टी खनन में पकड़े गए दो लोगों को थाने से ले गए। इस प्रकरण में कोई भी अधिकारी बोलने से बचता रहा।

मामला थाना बरसाना से जुड़ा है। थाना बरसाना के गांव कमई में अमृत सरोवर योजना के अंतर्गत एक तालाब में रात के समय जेसीबी से खोदाई का कार्य चल रहा था, जबकि जानकार मिट्टी खनन किए जाने का का दावा कर रहे हैं। वहीं, तालाब से मिट्टी खनन की जानकारी पर एसआई मदन सिंह ने मौके से सूरजपाल सहित दो व्यक्तियों को पकड़ लिया और थाना ले आए। सूत्रों का कहना है कि पुलिस द्वारा पकड़े गए व्यक्तियों में से एक कैबिनेट मंत्री के प्रतिनिधि नरदेव चौधरी का करीबी था। इस जानकारी पर नरदेव चौधरी ने पुलिस को फोन किया और दोनों को छोड़ने का अनुरोध किया, लेकिन थाना प्रभारी अश्वनी ने कुमार कार्रवाई को नियमों के अनुरूप बताते हुए दोनों व्यक्तियों को छोड़ने से मना कर दिया। थाना प्रभारी के इन्कार के बाद देर रात को नरदेव चौधरी 30 से 40 कथित समर्थकों के साथ थाना पहुंच गए। वायरल वीडियो में पुलिसकर्मियों और नरदेव चौधरी के बीच थाने में तीखी बहस हुई। इस दौरान धक्का– मुक्की और गाली–गलौज भी हुई। इस दौरान माहौल तनावपूर्ण हो गया और थाने में अफरा–तफरी के हालात बन गए। चर्चा है कि विवाद के दौरान हिरासत में लिए गए दोनों व्यक्तियों को थाने से छुड़ाकर ले जाया गया। हालांकि, पुलिस ऐसा होने की पुष्टि नहीं कर रही है। मामले को लेकर सुबह से ही राजनीतिक और प्रशासनिक हलकों में चर्चाओं का दौर जारी रहा।

थाने में किरकरी के बाद पुलिस ने दरोगा मदन सिंह के प्रार्थना पत्र पर सूरजपाल, लाखन सिंह के अलावा कई अन्य अज्ञात लोगों के खिलाफ धारा 121(1), 132, 190, 191(2), 351(2) और 352 में मुकद्दमा दर्ज किया। मुकद्दे में आरोप लगाया कि तालाब से मिट्टी खनन के दौरान एक जेसीबी और चार ट्रैक्टर-ट्रॉली थे। जब इनको थाने लाया जा रहा था तो सूरजपाल और लाखन ने अपने साथियों के साथ छुड़ाने का प्रयास किया। सीओ गोवर्धन अनिल कुमार का कहना था कि मुकद्दा दर्ज कर मामले की जांच की जा रही है।

आगरा में अवैध निर्माणों पर चला एडीए का बुलडोजर

यूनिक समय, आगरा। आगरा विकास प्राधिकरण (एडीए) ने शहर में अवैध निर्माणों के खिलाफ बड़ा अभियान चलाते हुए शुक्रवार को छह निर्माणों को सील कर दिया, जबकि एक अनधिकृत कॉलोनी पर बुलडोजर चलाकर उसे ध्वस्त कर दिया। यह कार्रवाई शहर के विभिन्न क्षेत्रों में की गई। प्राधिकरण की टीम ने कोतवाली, छत्ता, लोहामंडी, हरिपर्वत और शाहगंज क्षेत्रों में बिना मानचित्र स्वीकृति के किए जा रहे निर्माणों की जांच की। नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर संबंधित भवनों को सील कर दिया गया। अधिकारियों का कहना है कि कई स्थानों पर निर्माण कार्य निर्धारित मानकों और स्वीकृत नक्शों के बिना किया जा रहा था।

इसके अलावा छत्ता–द्वितीय क्षेत्र में करीब दो बीघा भूमि पर विकसित की जा रही एक अवैध कॉलोनी को ध्वस्त कर दिया गया। कार्रवाई के दौरान प्रवर्तन टीम के साथ पुलिस बल भी मौजूद रहा।

एडीए अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि शहर में अवैध निर्माण और अनधिकृत कॉलोनियों के खिलाफ अभियान आगे भी जारी रहेगा तथा नियमों का उल्लंघन करने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

वृंदावन में डाक विभाग ने दी बड़ी सौगात

डाकघर में अब 24 घंटे होगी पार्सल बुकिंग

दिन हो या रात, कभी भी देश–विदेश भेज सकेंगे पार्सल, लोगों को नहीं करना पड़ेगा इंतजार

यूनिक समय, मथुरा। ठाकुर बांकेबिहारी की नगरी वृंदावन में डाक विभाग ने लोगों को बड़ी सौगात दी है। अब उप डाकघर वृंदावन में 24 घंटे पार्सल बुकिंग की सुविधा शुरू कर दी गई है। इसका मतलब यह है कि अब लोगों को पार्सल भेजने के लिए सुबह काउंटर खुलने का इंतजार नहीं करना पड़ेगा। दिन हो या रात,किसी भी समय देश और विदेश के लिए पार्सल बुकिंग कराया जा सकेगा।

वृंदावन में हर दिन हजारों श्रद्धालु आते हैं। इसके अलावा यहां के व्यापारी, आश्रम और मंदिर भी बड़ी संख्या में देश–विदेश में सामान भेजते हैं। लगातार बढ़ती भीड़ और पार्सल बुकिंग की मांग को देखते हुए डाक विभाग ने यह नई व्यवस्था लागू की है।

प्रवर अधीक्षक विजेंद्र कुमार ने बताया कि पहले उप डाकघर वृंदावन में दो काउंटरों से पार्सल बुकिंग का काम होता था।

अधिक भीड़ होने पर दिन में तीन काउंटर भी खोले गए। अब लोगों की सुविधा के लिए रात में भी एक काउंटर चालू रहेगा, जिससे पार्सल बुकिंग की सेवा 24 घंटे उपलब्ध होगी। उन्होंने बताया कि वृंदावन से देश के विभिन्न राज्यों के साथ–साथ विदेशों में भी बड़ी संख्या में पार्सल भेजे जाते हैं। धार्मिक पुस्तकें, प्रसाद, पूजा सामग्री, कपड़े और अन्य सामान यहां से नियमित रूप से भेजा जाता है। नई व्यवस्था शुरू होने के बाद लोगों को समय की परेशानी नहीं होगी और जरूरत पड़ने पर वे किसी भी समय अपना पार्सल बुक करा सकेंगे। इससे श्रद्धालुओं और आम लोगों को काफी राहत मिलेगी। खासकर उन लोगों को फायदा होगा, जिन्हें जरूरी सामान तुरंत भेजना होता है।

सीडीओ के निरीक्षण में खाली मिली कर्मचारियों की कुर्सी

यूनिक समय, मथुरा। शुक्रवार को सीडीओ डा. पूजा गुप्ता ने राजीव भवन स्थित जिला विकास अधिकारी और उपायुक्त स्वत रोजगार कार्यालय का औचक निरीक्षण किया तो अधिकांश कर्मचारियों की कुर्सियां खाली मिली। महिला समूहों को वितरित किए जाना वाला सामान कार्टूनों में भरा मिला। इस स्थिति पर उन्होंने संबंधित अधिकारियों को ऐसे कर्मचरियों पर कार्रवाई करने को कहा है।

दोपहर करीब 11:45 बजे सीडीओ अचानक जिला विकास अधिकारी कार्यालय पहुंची तो अधिकांश कर्मचारी अपनी सीटों पर मौजूद नहीं थे। निरीक्षण के समय कर्मचारियो की टेबिल पर कार्य विभाजन संबंधी विवरण अकिंत नही पाया गया। इस पर सीडीओ ने जिला विकास अधिकारी गरिमा खरे को निर्देश दिए गए कि सभी कर्मचारियों की टेबिल पर नेमप्लेट और कार्य विभाजन संबंधी विवरण अंकित कराएं। इसके बाद सीडीओ ने उपायुक्त स्वत रोजगार के कार्यालय का निरीक्षण किया गया। इस दौरान कोई भी कर्मचारी अपनी सीट पर नही मिला, जबकि कर्मचारियो की टेबिल पर कार्य विभाजन संबंधी विवरण अंकित नहीं मिला। निरीक्षण के समय कार्यालय मे स्वयं सहायता समूहों को वितरित की जानें सामग्री कार्यालय में रखी मिली और अभिलेख अस्त–व्यस्त हालत में मिले। निरीक्षण के दौरान बताया कि उपायुक्त स्वतः रोजगार परीक्षा ड्यूटी में गए हुए बताए गए। सीडीओ डा. पूजा गुप्ता ने बताया कि जिला विकास अधिकारी और स्वत रोजगार उपायुक्त को कर्मचारियों की अनुपस्थिति के बारे में स्थिति स्पष्ट करने को कहा गया है।

स्वत रोजगार उपायुक्त कार्यालय मे रखे सामान को देखतीं सीडीओ डा. पूजा गुप्ता।

जिला विकास अधिकारी कार्यालय में काफी कर्मचारी नहीं मिले

उपायुक्त स्वत रोजगार कार्यालय में नहीं मिला कोई कर्मचारी

मिट्टी भराव न होने से सर्किट हाउस निर्माण कार्य बाधित

यूनिक समय, मथुरा। मिट्टी भराव नहीं होने से सर्किट हाउस का काम बाधित चल रहा है। एसडीएम महावन के यहां मिट्टी खनन अनुमति का पत्र लंबित पड़ा हुआ है। अब कार्यदायी संस्था के सहायक अभियंता को एसडीएम महावन से स्वयं मिलकर मिट्टी भराव को अनुमति कराने को कहा गया है।

सर्किट हाउस से जुड़ा यह मामला शुक्रवार को सीडीओ डा. पूजा गुप्ता के निरीक्षण के दौरान सामने आया। सुबह सीडीओ ने उच्च स्तरीय सुविधा युक्त और सुरक्षा मानकों के अनुरूप सर्किट हाउस के निर्माण कार्य का निरीक्षण किया।

इस दौरान कार्यदायी संस्था के अभियंताओं ने बताया कि बीते साल 15 अक्टूबर को उपाध्यक्ष उप्र ब्रज तीर्थ विकास परिषद की अध्यक्षता में निर्माणाधीन सर्किट हाउस की समीक्षा को बैठक हुई। इसके बाद 24 अक्टूबर को डीएम द्वारा कार्य स्थल पर दिए गए निर्देशों के अनुपालन मे वर्ष 1978 में आई बाढ़ के लेविल से भवन का प्लिंथ लेविल 0.60 मी. ऊ पर कराने के कारण निर्माण कार्य में कुल मिट्टी भराव 25 हजार घन मीटर किया जाना है, जिसके साापेक्ष 10 हजार घन मीटर मिट्टी भराव का कार्य किया जा चुका है, शेष 15 हजार घन मीटर मिट्टी भराव के लिए एसडीएम महावन के स्तर पर प्रार्थना पत्र लम्बित है। मिट्टी भराव न होने के कारण निर्माण कार्य की प्रगति बाधित हो रही है।

सीडीओ ने किया काम का शुक्रवार को निरीक्षण

एसडीएम महावन के यहां लंबित है खनन अनुमति

अभियंताओं ने बताया कि बार चार्ट और माइलस्टोन के अनुसार वर्तमान में मुख्य भवन के प्रथम तल की स्लैव का कार्य पूर्ण होना था, लेकिन मिट्टी का भराव समय से न होने के कारण भूतल की स्लैव का निर्माण कार्य के साथ–साथ प्रथम तल के 43 कॉलमों का निर्माण ही पूर्ण हो पाया है।

इस स्थिति पर सीडीओ ने कार्यदायी संस्था के सहायक अभियंता को निर्देशित किया कि वह एसडीएम महावन से स्वयं व्यक्तिगत रूप से मिलकर मिट्टी भराव के लिए अनुमति कराते हुए कार्य की प्रगति बढ़ाने का काम करें।

जीआरपी ने गिरफ्तार किए तीन शातिर चोर, छह मोबाइल बरामद

यूनिक समय, मथुरा। जीआरपी की विशेष चेकिंग टीम ने तीन शातिर चोरों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से आधा दर्जन चोरी के मोबाइल फोन बरामद किए हैं।

ट्रेनों में आपराधिक वारदातों की रोकने और स्टेशन पर होने वाली घटनाओं को रोकने के लिए उच्चाधिकारियों के निर्देशा पर विशेष गठित चेकिंग टीम ने शुक्रवार की सुबह थाना प्रभारी ललित भाटी के नेतृत्व में प्लेटफार्म संख्या 8 पर आगरा एंड के समीप से तीन संदिग्धों को रोककर उनकी तलाशी ली। उनके पास से छह मोबाइल फोन बरामद हुए। पूछताछ में उन्होंने अपने नाम दिलशाद निवासी देवनगर थाना कोतवाली मथुरा, रिंकू निवासी जऊपुरा थाना सिकंदरा आगरा और शेखर निवासी नगला राम सिंह थाना दन्नाहार जिला मैनपुरी है। युवकों से बरामद हुए मोबाइलों की जीआरपी थाने में रिपोर्ट दर्ज है।

परलोक वासियों के उद्धार को श्रीमद भागवतकथा नौ जून से

यूनिक समय, मथुरा। लंकेश भक्त मंडल के बैनर तले पुरुषोत्तम मास में अब तक परलोक सिधारने वाली सभी देवतुल्य आत्माओं के उद्धार के लिए यमुना तलहटी स्थित जय श्री लंकेश्वर महादेव मंदिर शमशान घाट जमुनापार पर श्रीमद भागवत कथा नौ जून से होगी।

यमुनापार क्षेत्र के पार्षद यतेंद्र माहौर ने बताया है कि संगीतमय कथा अपराह्न तीन बजे से शाम छह बजे तक होगी। इसके लिए नगर निगम मथुरा–वृंदावन द्वारा विशेष सफाई व्यवस्था की जा रही है। कथा में स्थानीय और दूर दराज से अपने परलोक वासी पूर्वजों की आत्म शांति के लिए कथा श्रवण करने श्रद्धालु भक्त आ रहे हैं। कथा में आने वाले श्रद्धालु भक्तों के लिए जरूरी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएगी। कथा व्यास सुधांशु महाराज प्रवचन देंगे। शोभा यात्रा नौ जून को सुबह आठ बजे बैंड बाजों के साथ पार्षद कार्यालय यमुनापार से शुरू होगी। लंकेश भक्त मंडल के अध्यक्ष ओमवीर सारस्वत एडवोकेट ने कथा में सभी देवतुल्य आत्माओं के परिवारीजनों से अधिक से संख्या में भाग लेने की अपील की है।

समीक्षा बैठक में सीडीओ ने अधिकारियों को दिए सख्त निर्देश

यूनिक समय, मथुरा। जनपद में संचालित विभिन्न विकास योजनाओं की प्रगति को लेकर मुख्य विकास अधिकारी डॉ. पूजा गुप्ता ने कलेक्ट्रेट सभागार में समीक्षा बैठक की। बैठक में प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण), मुख्यमंत्री आवास योजना, मनरेगा, राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन, फैमिली आईडी समेत अन्य महत्वपूर्ण योजनाओं की विकास खंडवार समीक्षा की गई। समीक्षा के दौरान सीडीओ ने अधिकारियों को योजनाओं के लक्ष्यों की शत–प्रतिशत पूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश देते हुए कहा कि पात्र लाभार्थियों तक योजनाओं का लाभ समयबद्ध तरीके से पहुंचाया जाए। बैठक में परियोजना निदेशक जिला ग्राम्य विकास अभिकरण अरुण कुमार उपाध्याय, जिला विकास अधिकारी गरिमा खरे, उपायुक्त स्वतः रोजगार इन्द्रपाल, उपायुक्त श्रम रोजगार विजय कुमार पांडेय और जनपद के सभी खंड विकास अधिकारी मौजूद रहे।

तापमान / मौसम

36 डिग्री सेल्सियस अधिकतम

27 डिग्री सेल्सियस न्यूनतम

सोना–चांदी भाव

सोना
24 कैरेट 1,55,730
22 कैरेट 1,42,750
(रेट प्रति 10 ग्राम में, जीएसटी समेत)

चांदी
2,75,000 प्रति किलो

हंसता आईना

यूनिक समय

स्वामी पवन गौतम के लिए राजकुमार गौतम द्वारा दैनिक यूनिक समय, 6 शंकर विहार, कृष्णा नगर मथुरा 281004 से प्रकाशित एवं बालाजी ऑफसेट प्रिंटिंग प्रेस कृष्णा नगर, मथुरा से मुद्रित।
कार्यालयः- यूनिक बिल्डिंग, 289-290 डायबिल नगर, कृष्णा नगर चौक, मथुरा।
संपादक-पवन गौतम
फोन नंबर-0565-2420150,
मो. 9837155888
E-mail : uniquesamaynews@gmail.com
website : uniquesamay.com
RNI-UPHIN/2023/85053
DAVP-: 134220
डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026–28
सभी विवादों का न्यायालय स्थान मथुरा होगा।

84 कोस परिक्रमा में हाईटेंशन लाइन से पेड़ धूं-धू कर जला

यूनिक समय, मथुरा। गोवर्धन के सौंख-मथुरा रोड पर नंगला टैंटा के समीप गुजरती बिजली की हाईटेंशन लाइन से एक पेड़ में अचानक तेज आग लग गई। धूं-धू कर जलते पेड़ को देख चौरासी कोस की परिक्रमा कर रहे परिक्रमार्थियों और स्थानीय लोगों में हड़कंप मच गया। बिजली की आपूर्ति बंद कराने के बाद फायर ब्रिगेड और स्थानीय लोगों ने काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू किया।

शुक्रवार को मथुरा- सौंख रोड पर नगला टैंटा के समीप से गुजरती बिजली की हाईटेंशन लाइन के नीचे खड़े एक

आग से जला पेड़ ।

परिक्रमार्थियों में मचा हड़कंप, फायर ब्रिगेड ने किया आग पर काबू

काफी विशाल वृक्ष से बिजली का तार टकरा गया। तार के टकराने के बाद पेड़ में आग लग गई। देखते ही देखते पेड़ से तेज आग के शोले निकलने लगे। घटना परिक्रमा मार्ग के नजदीक होने के कारण परिक्रमार्थियों में हड़कंम मच गया। पेड़ से उठती आग की तेज लपटों से स्थानीय लोगों ने देखा तो उन्होंने फायर ब्रिगेड और बिजली विभाग को फोन किया। बिजली आपूर्ति बंद होने के बाद भी आग से पेड़ बुरी तरह जल रहा था। स्थानीय लोगों ने आग आगे न बढ़े इसके लिए आस-पास के इलाके से ऐसा सामान हटाया।

ग्रामीणों ने आग बुझाने को पानी भी प्रयोग किया। मौके पर पहुंची फायर ब्रिगेड की गड़ियों और कर्मचारियों ने काफी मशक्कत के बाद पेड़ में लगी आग को बुझाया। इसके बाद ही पुलिस और प्रशासन ने सड़क किनारे खड़े पेड़ को कटावा दिया। आग लगने के कारण सड़क पर काफी समय के लिए वाहनों की रफ्तार थम गई।

जाम ने फिर खोली विकास की पोल

शहर की सड़कों पर लग रहा है जाम

ट्रैफिक को चलाने में पुलिस के निकल रहे हैं पसीने

स्कूली बसों से शहर के अंदर की सड़कों से निकलना दूभर

भूतेश्वर तिराहे पर लगने वाले जाम में फंसे वाहन।

यूनिक समय, मथुरा। अधिक मास में ब्रज चौरासी कोस की परिक्रमा में आने वाले श्रद्धालुओं की संख्या लगातार बढ़ने के कारण शहर की सड़को पर जाम जैसे हालात बन रहे हैं। इसके चलते तपती धूप में सड़कों से वाहन निकालना मुश्किल हो रहा है। पुलिस को भी जाम में फसे ट्रैफिक को चलाने में पसीने बहाने पड़ रहे हैं।

शहर की सड़कों पर ब्रज चौरासी कोस की परिक्रमा करने के लिए आने वाले लोगों की संख्या हर रोज बढ़ रही है। चौरासी कोस की परिक्रमा में देश के हर राज्य और जिलों से बढ़ी संख्या में श्रद्धालु परिक्रमा कर पुण्य कमाने के लिए आ रहे हैं। परिक्रमार्थियों के आने के कारण शहर की सड़कों पर दबाव बढ़ रहा है। परिक्रमा करने के लिए आने वाले लोगों के जत्थों के सड़क पर चलने के कारण वाहनों को सड़क से गुजरने में काफी दिक्कत हो रही है। स्टेट बैंक चौराहे से लेकर नए बस अड्डे, बीएसए कालेज तिराहा, भूतेश्वर से जन्म भूमि को जाने वाले पुल के समीप और भूतेश्वर से लेकर फायर ब्रिगेड तिराहे तक वाहन जाम में फंस रहे हैं। जाम में फंसे वाहनों को ठीक तरह से चलाने के लिए ट्रैफिक पुलिस को जहां पसीना बहाना पढ़ रहा है, वहीं जाम के कारण सड़क से गुजरने वाले वाहनों को चंद किलो मीटर की दूरी को पार करने में आधा घंटे से अधिक का समय लग रहा है। स्कूलों की छुट्टी होने के बाद स्कूली वाहनों के कारण शहर के भरतपुर गेट, होलीगेट कोतवाली रोड पर बाजार में खरीदारी को आने वाले लोगों को सड़क पर लगे जाम के चलते पैदल निकलना तक मुश्किल हो रहा है।

बांकेबिहारी मंदिर का सरकारीकरण बर्दाश्त नहीं

यूनिक समय, वृंदावन। धर्म रक्षा संघ के तत्वावधान में महामंडलेश्वर स्वामी डॉ. आदित्यानंद गिरि की अध्यक्षता में सम्मान समारोह का आयोजन परिक्रमा मार्ग स्थित श्रीराधाप्रसाद धाम गोपाल खार में हुआ। सर्वोच्च न्यायालय द्वारा श्रीबांकेबिहारी हाई पावर कमेटी के मनोनीत सदस्य गोपेश गोस्वामी, रजत गोस्वामी, शैलेंद्रनाथ गोस्वामी और हिमांशु गोस्वामी का सम्मान किया गया।

धर्म रक्षा संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष सौरभ गौड़ ने कहा कि अब सही मायने में बांकेबिहारी मंदिर के सेवायत गोस्वामियों के द्वारा सर्वश्रेष्ठ गोस्वामियों को हाई पावर्ड कमेटी का सदस्य बनाया गया है। महामंडलेश्वर स्वामी डॉ. आदित्यानंद गिरि ने कहा कि हाई पावर्ड कमेटी के लिए चुने गए गोस्वामियों को बांकेबिहारी की मर्यादा- परंपरा का विशेष ध्यान रखते हुए आगे की योजना तैयार करवानी चाहिए।

गिरोह बनाकर लूटपाट करने वाले को पांच वर्ष की कैद

ट्रेनों में गिरोह के साथ करता था वारदात

गिरफ्तारी के बाद से ही बंद है जेल में

यूनिक समय, मथुरा। एडीजे पंचम विशेष न्यायाधीश गैंगस्टर एक्ट अरविंद कुमार यादव ने गिरोह के साथ ट्रेनों में लूटपाट करने वाले अभियुक्त को पांच वर्ष की कैद और पांच हजार रुपये के अर्थदंड से दंडित किया है। अभियुक्त गिरफ्तारी के बाद से ही जेल में निरूद्ध है।

शासन की ओर से मुकदमे की पैरवी करने वाले विशेष लोक अभियोजक शैलेन्द्र कुमार गौतम ने बताया कि गिरोह बनाकर ट्रेनों में लूटपाट और चोरी की वारदातों को अंजाम देने वाले साहिल वाल्मीकि निवासी कैलाश नगर वार्ड संख्या-4 थाना कैंप जिला पलवल हरियाणा को 2021 में तत्कालीन जीआरपी थाना प्रभारी निरीक्षक सुबोध कुमार यादव ने गिरफ्तार किया था। थाना प्रभारी निरीक्षक ने साहिल के खिलाफ 8 जून 2021 को गैंगस्टर एक्ट के तहत कार्रवाई की। गैंगस्टर एक्ट के मामले की विवेचना तत्कालीन जीआरपी थाना आगरा कैंट प्रभारी देवेन्द्र कुमार द्विवेदी द्वारा करने के बाद आरोप पत्र न्यायालय में प्रेषित किया गया। मुकदमे की सुनवाई एडीजे पंचम विशेष न्यायाधीश गैंगस्टर एक्ट अरविंद कुमार यादव की अदालत में हुई। अदालत ने साहित वाल्मीकि को गिरोह बनाकर ट्रेनों में लूटपाट करने का दोषी ठहराते हुए उक्त सजा से दंडित किया। जीआरपी थाना प्रभारी ललित भाटी के निर्देशन में न्यायालय पैरोकार हैड कांस्टेबल मुनेश कुमार ने मुकदमे की पैरोकारी की।

ऑपरेशन प्रहार में पुलिस ने गिरफ्तार किए दो अभियुक्त

अभियुक्तों से नशीला पाउडर और गांजा बरामद

यूनिक समय,मथुरा। पुलिस द्वारा चलाए जा रहे ऑपरेशन प्रहार के तहत गोविंदनगर और बरसाना पुलिस ने दो अभियुक्तों को गांजा और नशीला पाउडर रखने के आरोप में गिरफ्तार किया है। गोविंदनगर पुलिस ने महाविद्या कुंड के पार्क के समीप वाले रास्ते से अभियुक्त जीशान उर्फ चवन्नी निवासी टेक नारनौल थाना गोविंदनगर को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 165 ग्राम नशीला पाउडर एल्प्राजोलम बरामद किया है। पुलिस ने उसके खिलाफ एनडीपीसी एक्ट के तहत कार्रवाई की है। बरसाना पुलिस ने भक्ति वेदांनत हॉस्पिटल के समीप से अभियुक्त आदेश कुमार निवासी ग्राम मकंदपुर थानाअछल्दा जिला औरेया को 210 ग्राम गांजे के साथ गिरफ्तार किया है।

पत्नी की हरकतों से परेशान पति पहुंचा पुलिस के दर

छाता कोतवाली क्षेत्र के गांव बहरावली गांव का मामला

पुलिस से लगाई न्याय की गुहार

पत्नी पर लगाए गंभीर आरोप

यूनिक समय, छाता। कोतवाली क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्राम नगला बहरावली में एक हैरान कर देने वाला पारिवारिक विवाद सामने आया है। यहां एक पीड़ित पति अपनी पत्नी की प्रताड़ना और हरकतों से तंग आकर न्याय की गुहार लगाने सीओ कार्यालय पहुंच।

मिली जानकारी के अनुसार, गांव नगला बहरवाली के रहने वाले पीड़ित युवक की शादी साल 2010 में हुई थी। शादी के बाद दोनों का जीवन सामान्य चल रहा था और इस दौरान उनके पांच बच्चे भी हुए। पति पेशे से ड्राइवर है और कड़ी मेहनत करके अपने पूरे परिवार का भरण-पोषण करता है।

क्षेत्राधिकारी कार्यालय पहुंचे पीड़ित पति ने पुलिस को अपनी आपबीती सुनाते हुए पत्नी पर गंभीर आरोप लगाए हैं। पति का कहना है कि पांच बच्चों की मां होने के बावजूद महिला का व्यवहार और आचरण सही नहीं है। उसने पत्नी पर गंभीर आरोप लगाया कि वह घर-परिवार और बच्चों की जिम्मेदारी संभालने के बजाय अपनी मनमर्जी करती है और विरोध करने पर उसे प्रताड़ित करती है।

वह दिन-रात गाड़ी चलाकर परिवार का पेट पालता है, लेकिन पत्नी ने जीना हराम कर रखा है। पति की शिकायत के बाद यह मामला कोतवाली पुलिस के पास पहुंचा चुका है।

गर्मी ने बढ़ाए एलर्जी और खुजली के मरीज

रोजाना 200 तक पहुंच रहे त्वचा रोगी

यूनिक समय, मथुरा। भीषण गर्मी के साथ ही एलर्जी, खुजली और त्वचा संक्रमण के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। इसका असर जिला अस्पताल में दिखाई दे रहा है। अस्पताल के त्वचा रोग विभाग में मरीजों की लंबी कतारें लग रही हैं। पर्चा बनवाने से लेकर डॉक्टर को दिखाने तक मरीजों को घंटों इंतजार करना पड़ रहा है।

गुरुवार को जिला अस्पताल में मरीज त्वचा संबंधी समस्याओं के इलाज के लिए पहुंचे। अस्पताल में दर्जनों मरीज लाइन में खड़े नजर आए। मरीजों ने बताया कि पहले पर्चा बनवाने में काफी समय लग जाता है, फिर डॉक्टर के कक्ष के बाहर भी लंबा इंतजार करना पड़ता है। ऊपर से तेज गर्मी और उमस के कारण परेशानी और बढ़ जाती है। मरीजों का कहना है कि इस समय खुजली, एलर्जी, दाद और त्वचा पर लाल चकत्तों जैसी समस्याएं ज्यादा देखने को मिल रही हैं। कई लोगों को लंबे समय से यह परेशानी बनी हुई है, जिसके चलते उन्हें अस्पताल आना पड़ रहा है।

मरीजों को देखते हुए त्वचा रोग विशेषज्ञ डॉ. झलक।

जिला अस्पताल के त्वचा रोग विशेषज्ञ डॉ. झलक ने बताया कि गर्मियों में त्वचा संबंधी बीमारियां बढ़ना सामान्य बात है। पसीना, धूल-मिट्टी और गंदगी के कारण एलर्जी और संक्रमण जल्दी फैलते हैं। उन्होंने बताया कि वर्तमान में रोजाना 180 से 200 मरीज त्वचा रोग विभाग में इलाज के लिए आ रहे हैं। उन्होंने ने कहा कि दवा के साथ-साथ सावधानी बरतना भी बहुत जरूरी है। यदि शरीर के किसी हिस्से में खुजली या सक्रमण हो जाए तो उसे नजरअंदाज नहीं करना चाहिए, क्योंकि यह धीरे-धीरे दूसरे हिस्सों में भी फैल सकता है। उन्होंने लोगों को सलाह दी कि गर्मी के मौसम में रोजाना स्नान करें, शरीर को साफ रखें और सूती कपड़े पहनें। पहने हुए कपड़ों को डिटॉल या किसी कीटाणुनाशक दवा मिलाकर गर्म पानी से धोना चाहिए। तौलिया, कपड़े और अन्य निजी सामान किसी दूसरे व्यक्ति को नहीं देना चाहिए। मरीजों को डॉक्टर की सलाह के अनुसार नियमित दवा लेनी चाहिए और बीच में इलाज बंद नहीं करना चाहिए। समय पर उपचार और साफ-सफाई अपनाकर एलर्जी, खुजली और त्वचा संक्रमण जैसी समस्याओं से काफी हद तक बचाव किया जा सकता है।

जिला अस्पताल में मरीजों की लंबी लाइनें

ठाकुर द्वारकाधीश मंदिर में सजा भव्य फूल बंगला

यूनिक समय,मथुरा। अधिक मास में श्री ठाकुर द्वारकाधीश मंदिर में उत्सवों की श्रृंखला के अंतर्गत शुक्रवार को सांयकालीन शयन दर्शन के दौरान ठाकुरजी का भव्य फूल बंगला सजाया गया। रंग-बिरंगे सुगंधित फूलों से सजे इस विशेष मनोरथ के दर्शन करने के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु मंदिर पहुंचे और ठाकुरजी के अलौकिक स्वरूप का आनंद लिया। मंदिर के विधि एवं मीडिया प्रभारी राकेश तिवारी एडवोकेट ने बताया कि मंदिर में आयोजित होने वाले सभी धार्मिक कार्यक्रमों का निर्धारण मंदिर के गोस्वामी श्री श्री 108 डॉ. वागीश कुमार जी महाराज, कांकरोली नरेश एवं तृतीय पीठाधीश्वर द्वारा किया गया है। शनिवार को शयन दर्शन में ठाकुरजी का नौका विहार उत्सव आयोजित होगा।

राज्यसभा सांसद ने टीबी मरीजों को वितरित की पोषण पोटली

मरीजों को टीबी पोषण पोटली देते राज्यसभा सांसद तेजवीर सिंह।

यूनिक समय,मथुरा। प्रधानमंत्री के टीबी मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत जनपद में संचालित 100 दिवसीय सघन टीबी खोज अभियान के तहत राज्यसभा सांसद तेजवीर सिंह ने पांच क्षय रोगियों को पोषण पोटली वितरित कर उत्साहवर्धन किया।

उन्होंने टीबी के प्रति जागरूकता फैलाने और समाज के सभी वर्गों से अभियान चलाकर लोगों को जागरूक किया जाए। राज्यसभा सांसद ने कहा कि टीबी पूरी तरह ठीक होने वाली बीमारी है, समय पर इसकी पहचान हो और मरीज पूरा उपचार ले। उन्होंने कहा कि यदि किसी व्यक्ति को दो सप्ताह से अधिक समय से खांसी, लगातार बुखार, रात में पसीना आना, वजन कम होना या कमजोरी महसूस हो रही हो तो उसे तत्काल नजदीकी सरकारी स्वास्थ्य केंद्र पर जाकर जांच करानी चाहिए।

जिला क्षय रोग अधिकारी डाक्टर संजीव यादव ने कहा कि टीबी मरीजों को उपचार के दौरान बेहतर पोषण उपलब्ध कराने के लिए निक्षय पोषण योजना के अंतर्गत 1000 प्रतिमाह की सहायता दी जा रही है। उन्होंने सामाजिक संगठनों, स्वयंसेवी संस्थाओं, व्यापारिक प्रतिष्ठानों और सक्षम नागरिकों से निक्षय मित्र बनकर टीबी मरीजों को गोद लेने और उनकी सहायता करने को कहा है। इस अवसर पर लोकेंद्र चौधरी, राहुल सोनी, हिमांशु सेठी, शिव कुमार आदि उपस्थित रहे।

मिशन शक्ति फेज पांच का द्वितीय चरण

महिलाओं ने मई माह में दिए 470 शिकायती प्रार्थना पत्र

यूनिक समय, मथुरा। मिशन शक्ति फेज 5.0 के द्वितीय चरण के तहत पुलिस लाइन्स स्थित सभागार में पुलिस अधीक्षक ग्रामीण और पुलिस उपाधीक्षक केजेएस की अध्यक्षता में महिला सुरक्षा संबंधी जनपदीय मासिक गोष्ठी आयोजित हुई। गोष्ठी में सभी थाने के मिशन शक्ति केंद्र प्रभारी और मिशन शक्ति टीम के कर्मी उपस्थित रहे।

गोष्ठी में एसपी ग्रामीण सुरेशचंद रावत और पुलिस उपाधीक्षक केजेएस सुमन कन्नौजिया ने मई माह में जनपद के थानों में मिशन शक्ति फेज 5.0 के द्वितीय चरण में महिलाओं से संबंधित मामलों में की गई कार्रवाई के बारे में थानों से आए मिशन शक्ति केंद्र प्रभारियों और मिशन शक्ति टीम के सदस्यों से की गई कार्रवाई की जानकारी करने के बाद आवश्यक निर्देश दिए। गोष्ठी में बताया गया कि एक मई से 31 मई तक जनपद के सभी मिशन शक्ति केन्द्रों पर महिलाओं के कुल प्रार्थना पत्रो की 470 प्राप्त हुई, जिसमे 420 प्रार्थना पत्रो की जांच की गई। जांच के लिए 50 प्रार्थना पत्र शेष हैं। प्रार्थना पत्रों में से 15 प्रार्थना पत्रो में बीट सूचना अंकित कराई गई, 148 प्रकरणों में अभियोग पंजीकृत कराया गया। कुल 186 प्रार्थना पत्रों पर समझौते कराए गए. जांच के दौरान चार प्रार्थना पत्र झूंठे पाये गए और 56 प्रार्थना पत्रों पर निरोधात्मक कार्रवाई की गयी है। दो प्रार्थना पत्रों पर एनसीआर दर्ज की गई है।

420 प्रार्थना पत्रों की जांच में चार पाए गए झूंठे

यमुनापार थाना क्षेत्र में दो बाइकें भिड़ी दो युवकों की मौत

यूनिक समय, मथुरा। थाना यमुनापार के गोपालपुर के समीप शुक्रवार देर सायं दो बाइकों आपस में भिड़त हो गई। दुर्घटना में दो लोगों की मौत हो गई, एक की हालत चिंताजनक बताई जा रही है।

बताया गया कि देर सायं दो बाइकों की गोपालपुर के समीप आमने- सामने की जोरदार भिड़ंत हो गई। दोनों बाइकों पर सवार तीन लोग बुरी तरह से घायल हो गए। दुर्घटना को देख बड़ी संख्या में लोगों की भीड़ लग गई। पुलिस को भी इस बारे में बताया गया। थाना यमुनापार पुलिस मौके पर पहुंच गई। बताया गया कि दो लोगों की मौत हो गई और एक की हालत गंभीर है। पुलिस ने घायल को अस्पताल पहुंचाया। पुलिस दुर्घटना में मरने वालों की शिनाख्त के प्रयास कर रही है।

पढ़िए वो जो पढ़ना चाहिए
यूनिक समय
www.uniquesamay.com

84 कोसीय परिक्रमा में उमड़ा आस्था का सैलाब

सुविधाओं की कमी से श्रद्धालु परेशान

यूनिक समय, सुरीर। अधिक मास में विभिन्न राज्यों से आए हजारों श्रद्धालु आस्था और भक्ति के साथ परिक्रमा कर रहे हैं। सुरीर क्षेत्र से होकर गुजर रही इस परिक्रमा में दिल्ली, हरियाणा, राजस्थान, उत्तर प्रदेश और छत्तीसगढ़ सहित कई राज्यों के श्रद्धालु बड़ी संख्या में यहां से निकल रहे है। परिक्रमा में श्रद्धालु पैदल, साइकिल, बाइक और चार पहिया वाहनों से ब्रज क्षेत्र की परिक्रमा कर रहे हैं। पूरे मार्ग पर राधे-राधे और जय श्रीकृष्ण के जयघोष से वातावरण भक्तिमय बना हुआ है। महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु भगवान श्रीकृष्ण और राधारानी की भक्ति में लीन होकर उत्साहपूर्वक आगे बढ़ रहे हैं।

लखनऊ से आए शिव प्रकाश पांडे, मथुरा के रामवीर शर्मा, छत्तीसगढ़ के वेद प्रकाश और बरेली के तिलक दास बाबा सहित अन्य श्रद्धालुओं ने बताया कि ब्रज की 84 कोसीय परिक्रमा उनके जीवन का एक महत्वपूर्ण आध्यात्मिक अनुभव है। उन्होंने कहा कि परिक्रमा मार्ग पर श्रद्धालुओं की संख्या लगातार बढ़ रही है और आस्था में कोई कमी नहीं दिखाई दे रही है। भगवान श्रीकृष्ण और राधारानी के जयकारों के साथ श्रद्धालु पूरे उत्साह और श्रद्धा भाव से अपनी परिक्रमा दे रहे हैं, लेकिन सुविधाओं की कमी से जरूर परेशान दिखते हैं।

84 कोस की परिक्रमा देता श्रद्धालु।

जीएलए में वृक्षों की हरित छांव में विकसित होगा छात्रों का भविष्य : नारायण दास

यूनिक समय, मथुरा। विश्व पर्यावरण दिवस पर जीएलए विश्वविद्यालय, मथुरा में पर्यावरण संरक्षण और हरित भविष्य के संकल्प को साकार करने की दिशा में विशेष पौधारोपण अभियान का शुभारंभ किया गया। विश्वविद्यालय परिसर में कुलाधिपति नारायण दास अग्रवाल, कुलपति प्रो. अनूप कुमार गुप्ता और कुलसचिव अशोक कुमार सिंह ने पौधरोपण कर अभियान की शुरुआत की। इस अवसर पर विश्वविद्यालय परिवार ने पर्यावरण संरक्षण और भावी पीढ़ियों के लिए स्वच्छ और सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराने का संकल्प लिया।

कार्यक्रम के दौरान कुलाधिपति नारायण दास अग्रवाल ने बरगद, कुलपति प्रो. अनूप कुमार गुप्ता ने नीली गुल मोहर और कुलसचिव अशोक कुमार सिंह ने पीपल के पौधे रोपित किए गए। इस दौरान जीएलए के हॉर्टीकल्चर विभाग के एडवाइजर बनवारीलाल पचौरी ने गुग्गुल के पौधे के बारे में जानकारी दी। विश्वविद्यालय हॉर्टीकल्चर विभाग के अधीक्षक डा. गुलाब सिंह ने जानकारी दी कि वर्ष 2026 में परिसर में 11 हजार नए पौधे लगाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इसके साथ ही विश्वविद्यालय परिसर में अब तक 50 हजार से अधिक पौधे रोपित किए जा चुके हैं, जो आज एक विशाल हरित आवरण का रूप ले चुके हैं।

जीएलए विश्वविद्यालय, मथुरा में विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर पौध रोपित करते कुलाधिपति नारायण दास अग्रवाल। साथ हैं कुलपति प्रो. अनूप कुमार गुप्ता, कुलसचिव अशोक कुमार सिंह व अन्य।

विश्वविद्यालय परिसर में वर्षों से चल रहे पौधारोपण अभियानों का परिणाम है कि आज यहां हजारों पेड़–पौधे न केवल पर्यावरण संरक्षण में योगदान दे रहे हैं, बल्कि पक्षियों और अन्य जीवों के लिए भी सुरक्षित आश्रय स्थल बन चुके हैं। इस अवसर पर जीएलए विश्वविद्यालय के कुलाधिपति नारायण दास अग्रवाल ने कहा कि वृक्ष केवल पर्यावरण संरक्षण का माध्यम नहीं हैं, बल्कि मानव जीवन के आधार हैं। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय का उद्देश्य केवल

जीएलए में पौध रोपित कर मनाया विश्व पर्यावरण दिवस

गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करना नहीं, बल्कि विद्यार्थियों में प्रकृति के प्रति संवेदनशीलता और सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना विकसित करना भी है। इसी सोच के साथ जीएलए विश्वविद्यालय वर्षों से निरंतर पौधारोपण अभियान चला रहा है।

उन्होंने कहा कि आने वाले वर्षों में जीएलए विश्वविद्यालय का परिसर वृक्षों से इतना अधिक हरित हो जाए कि यहां का तापमान बाहरी वातावरण की तुलना में 3 से 4 डिग्री सेल्सियस तक कम रहे। हम चाहते हैं कि विद्यार्थी केवल आधुनिक शिक्षा ही नहीं, बल्कि प्रकृति की गोद में रहकर स्वस्थ, सकारात्मक और ऊर्जावान वातावरण का अनुभव भी करें। हर लगाया गया पौधा आने वाली पीढ़ियों के लिए हमारी अमूल्य धरोहर है। कुलाधिपति ने कहा कि जलवायु परिवर्तन, बढ़ते प्रदूषण और ग्लोबल वार्मिंग जैसी चुनौतियों से निपटने के लिए पौधारोपण सबसे प्रभावी और सरल उपायों में से एक है। यदि प्रत्येक व्यक्ति प्रतिवर्ष एक पौधा भी लगाकर उसकी देखभाल करे तो पर्यावरण संरक्षण की दिशा में बड़ा परिवर्तन लाया जा सकता है।

कुलपति प्रो. अनूप कुमार गुप्ता ने कहा कि विश्व पर्यावरण दिवस केवल एक औपचारिक आयोजन नहीं, बल्कि प्रकृति के प्रति हमारी जिम्मेदारियों को याद दिलाने का अवसर है। उन्होंने कहा कि जीएलए विश्वविद्यालय विद्यार्थियों को अकादमिक उत्कृष्टता के साथ–साथ पर्यावरणीय चेतना से भी जोड़ने के लिए निरंतर प्रयासरत है। विश्वविद्यालय में नियमित रूप से वृक्षारोपण, स्वच्छता, जल संरक्षण और पर्यावरण जागरूकता से जुड़े कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं।

कार्यक्रम में उपस्थित शिक्षकों, अधिकारियों, कर्मचारियों और विद्यार्थियों ने भी पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। इस अवसर पर डा. हिमांशु शर्मा, डा. शैलेश कुमार सिंह, आशीमा आहूजा, विनीता पांडे, उदयवीर श्याम सिंह, धर्मेन्द्र कुलश्रेष्ठ सहित आदि शिक्षकगण और विभागाध्यक्ष मौजूद रहे।

पौधे लगाने के साथ संरक्षण का भी रखें ध्यान : डीएम

वेटेनरी विश्वविद्यालय में पौधा रोपित करते डीएम चंद्रप्रकाश सिंह आदि।

पौधारोपण करते जनपद न्यायाधीश विकास कुमार।

यूनिक समय, मथुरा। शुक्रवार को विश्व पर्यावरण दिवस पर धरा पर हरियाली बढ़ाने को पोधे रोपे गए। वेटनरी विश्वविद्यालय, कलेक्ट्रेट में डीएम और अन्य अधिकारियों ने पोधे रोपित करने का काम किया। पौधारोपण के दौरान अधिकारियो ने रोपे गए पौधों के संरक्षण की शपथ भी दिलाई। डीएम ने युवाओं से कहा कि वह पर्यावरण जागरूकता को काम करें, समाज को इसके लिए राह दिखाएं।

वेटेनरी विवि के परिसर में कुलपति डॉ. अभिजित मित्र ने छात्र–छात्राओं, प्रोफेसरों और अन्य स्टाफ को पर्यावरण संरक्षण की शपथ दिलाई। कुलपति, डीएम चंद्र प्रकाश सिंह और डीएफओ वेंकट श्रीकर पटेल ने विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया।

डीएम समेत अन्य अधिकारियों ने वेटेनरी विश्वविद्यालय और कलेक्ट्रेट में किया पौधारोपण

न्यायालय परिसर में भी हुआ पौधारोपण

डीएम ने बताया कि वेटनरी यूनिवर्सिटी के परिसर में 384 फलदार पौधे लगाए गए है। आज संपूर्ण जनपद में 6.17 लाख पौधे रोपित करने का लक्ष्य रखा गया है। उन्होंने पर्यावरण संरक्षण–संवर्धन के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि पर्यावरण संरक्षण केवल सरकार की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक का नैतिक दायित्व है। उन्होंने युवाओं से पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता फैलाने और समाज में सकारात्मक बदलाव लाने में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। डीएम ने कलेक्ट्रेट परिसर में पौधारोपण किया। इस दौरान एडीएम प्रशासन अमरेश कुमार, एडीएम न्यायिक वेद प्रिय आर्य और नगर मजिस्ट्रेट अनुपम कुमार मिश्रा उपस्थित रहे।

विश्व पर्यावरण दिवस पर जनपद न्यायाधीश- अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण विकास कुमार की अध्यक्षता में जनपद न्यायालय परिसर में पौधारोपण कार्यक्रम हुआ। जनपद न्यायाधीश सहित सभी न्यायिक अधिकारियों ने पौधे लगाकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। शुभारंभ जनपद न्यायाधीश विकास कुमार और अन्य न्यायिक अधिकारियों ने न्यायालय परिसर में पौधारोपण करके किया। सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अनीता सिंह ने पर्यावरण दिवस के महत्व पर प्रकाश डालते हुए वृक्षों की उपयोगिता के बारे में जानकारी दी। कार्यक्रम में अपर जिला जज राम किशोर पांडेय, डॉ. पल्लवी अग्रवाल, संतोष कुमार त्रिपाठी, राजेश परासर, अरविंद कुमार यादव, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट नितिन कुमार, अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट सूर्य कुमार वर्मा सहित जनपद न्यायालय के समस्त न्यायिक अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे।

पौधा रोपण कर केडी विश्वविद्यालय में मना विश्व पर्यावरण दिवस

विश्व पर्यावरण दिवस पर पौधरोपण करते कुलपति डॉ. मनेष लाहौरी औरं पीजी छात्र–छात्राएं।

यूनिक समय, मथुरा। प्रकृति के बिना मानव अस्तित्व की कल्पना भी नहीं की जा सकती। शुद्ध हवा, पीने योग्य पानी और भोजन ये सभी हमें प्रकृति से ही प्राप्त होते हैं। इसे बचाने के लिए हमारे छोटे–छोटे प्रयास भी बड़ा बदलाव ला सकते हैं। यदि जनजीवन को बचाना है तो हर व्यक्ति को अधिक से अधिक पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण को अपना कर्तव्य मानना होगा। यह बातें केडी विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. मनेष लाहौरी ने विश्व पर्यावरण दिवस पर चिकित्सकों और मेडिकल छात्र–छात्राओं को बताईं।

केडी विश्वविद्यालय और रेडक्रास सोसाइटी के सहयोग से आयोजित पौधरोपण कार्यक्रम में प्रो–चांसलर मनोज अग्रवाल, मुख्य कार्यकारी अधिकारी अरुण अग्रवाल, कुलपति डॉ. मनेष लाहौरी, प्रति–कुलपति डॉ. गौरव सिंह, कुलसचिव डॉ. विकास कुमार अग्रवाल, उप–कुससचिव हेमा जोशी, चिकित्सा अधीक्षक डॉ. गगनदीप सिंह, के.डी. मेडिकल कॉलेज की उप–प्राचार्य डॉ. गगनदीप कौर, परीक्षा नियंत्रक डॉ. अम्बरीश कुमार, डॉ. अमनजोत कौर चौहान, डॉ. वीपी पांडेय, डॉ. एसके बंसल, डॉ. गुलशन कुमार, डॉ. विक्रम शर्मा, डॉ. शुभम द्विवेदी, डॉ. गौरव त्यागी, डॉ. विशाल वर्मा, डॉ. प्रीति शर्मा, डॉ. सर्वेश सिंह, डॉ. कपिल देव वर्मा, पवन कुमार और रेडक्रास सोसाइटी मथुरा की तरफ से डॉ. विनीता गुप्ता, वाइस

प्रकृति के संरक्षण बिना जीवन की कल्पना नहीं: डॉ. मनेष लाहौरी

चेयरमैन रेडक्रास सोसाइटी मथुरा वृषभान गोस्वामी, शिवकुमार गुप्ता, डॉ. मूलचंद गुप्ता, ठाकुर सुजान सिंह, चन्द्र प्रकाश राजोरिया आदि ने पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया।

पौधरोपण के बाद प्रो–चांसलर मनोज अग्रवाल ने कहा कि पेड़–पौधों का हमारे जीवन में बहुत महत्व है। इनके बिना जीवन का आधार नहीं है। कुलपति डॉ. मनेष लाहौरी ने कहा कि विश्व पर्यावरण दिवस इस बात की याद दिलाता है कि आज की पीढ़ी को आने वाली पीढ़ी के लिए पर्यावरण को संरक्षित करना कितना महत्वपूर्ण है।

कुलसचिव डॉ. विकास कुमार अग्रवाल ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण आने वाली पीढ़ियों को बेहतर और सुरक्षित पर्यावरण सुनिश्चित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने सभी चिकित्सकों और मेडिकल छात्र–छात्राओं का आह्वान किया कि यदि बिगड़ते पर्यावरण को बचाना है तो हम सभी को अपने जन्मदिन या शुभ अवसरों पर पौधे लगाकर उनके संरक्षण का संकल्प लेना चाहिए।

उप प्राचार्य डॉ. गगनदीप कौर ने कहा कि लगातार बढ़ता प्रदूषण सिर्फ मनुष्य के लिए ही नहीं बल्कि हमारी प्रकृति के लिए भी खतरनाक है।

निजी कालेजों को कोर्स संचालित करने को मिलेगी मान्यता

यूनिक समय, मथुरा। प्रदेश सरकार ने दुवासु को निजी कॉलेजों में डिप्लोमा इन वेटरनरी फार्मेसी और डिप्लोमा इन वेटरनरी एक्सटेंशन के लिए संबद्धता प्रदान करने वाला विश्वविद्यालय नामित किया है। अब वेटनरी की प्रवेश परीक्षा में शामिल होने वाले छात्रों को ओएमआर शीट भी उपलब्ध कराई जाएगी।

यह जानकारी शुक्रवार को उत्तर प्रदेश पं. दीन दयाल उपाध्याय पशु चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय एवं गो–अनुसंधान संस्थान (दुवासु) में पत्रकार वार्ता के दौरान कुलपति डॉ. अभिजित मित्र ने देते हुए बताया कि उनके पदभार ग्रहण के नौ माह के दौरान

कुलपति डॉ. अभिजित मित्र।

विवि में कई बेहतर काम किए हैं। उन्होंने बताया कि दुवासु को सरकार ने संबद्धता प्रदान करने वाला विश्वविद्यालय नामित किया है। कार्यकारी परिषद और राज्य सरकार ने नियमावली को अनुमोदित कर दिया है। 22 संस्थानों को एनओसी जारी किया गया है, जिनमें से पांच ने शुल्क जमा कर दिया है।

संबद्धता प्रदान करने वाला विश्वविद्यालय नामित हुआ दुवासु

छात्रों को अब मिलेगी प्रवेश परीक्षा की ओएमआर शीट

उन्होंने बताया कि इस अवधि के दौरान इंटर्नशिप स्टाइपेंड को तीन गुना बढ़ाया गया। राज्य न्यू डिमांड बजट के तहत विश्वविद्यालय को चार प्रमुख परियोजनाओं के लिए कुल 54.53 करोड़ रुपये स्वीकृत हुए हैं। विवि में 14.21 करोड़ रुपये से गौतम छात्रावास और 21.41 करोड़ रुपये से माधुरी कुंड में चारदीवारी का काम होगा। 4.25 करोड़ रुपये से डेयरी प्लांट एवं बिज़नेस इन्क्यूबेशन सेंटर तैयार होगा। कई विभागों के लिए पद भी स्वीकृत हुए हैं। कुलपति ने बताया कि पारदर्शिता बढ़ाने के लिए अब छात्रों को ओएमआर शीट उपलब्ध कराई जाएगी। ई– आफिस प्रणाली शुरू होगी, हॉस्टल नवीनीकरण के अलावा जल शुद्धिकरण प्रणाली भी तैयार हो रही है। नए पीजी डिप्लोमा प्रस्तावित है, जबकि शोध– नवाचार बढ़ाने का काम भी हो रहा है।

ब्लड शुगर कंट्रोल में मददगार बनेगा जामुन

यूनिक समय, नई दिल्ली। डायबिटीज के मरीजों की संख्या लगातार बढ़ रही है और ऐसे में लोग अपने खान–पान में प्राकृतिक विकल्पों की ओर तेजी से बढ़ रहे हैं। इन्हीं में से एक है जामुन, जिसे ब्लड शुगर कंट्रोल करने के लिए बेहद फायदेमंद माना जाता है। विशेषज्ञों के अनुसार, सही मात्रा में जामुन का सेवन करने से डायबिटीज के मरीजों को कई तरह के लाभ मिल सकते हैं। जामुन का ग्लाइसेमिक इंडेक्स बहुत कम होता है, जिससे यह रक्त में शुगर के स्तर को अचानक नहीं बढ़ने देता। इसमें मौजूद जंबोलिन और जंबोसिन जैसे तत्व शरीर में स्टार्च को शुगर में बदलने की प्रक्रिया को धीमा कर देते हैं। इसके कारण फास्टिंग और भोजन के बाद दोनों ही समय पर ब्लड शुगर लेवल संतुलित रहने में मदद मिलती है। इसके अलावा, जामुन इंसुलिन सेंसिटिविटी को सुधारने में भी सहायक माना जाता है। यह अग्न्याशय (पैनक्रियाज) को सक्रिय

करता है, जिससे शरीर में इंसुलिन का सही उत्पादन होता है और कोशिकाएं ग्लूकोज को बेहतर तरीके से उपयोग कर पाती हैं। यही कारण है कि इसे डायबिटीज के मरीजों के लिए उपयोगी फल माना जाता है। डायबिटीज के मरीजों में अक्सर अधिक प्यास लगना और बार–बार पेशाब आने जैसी समस्याएं देखी जाती हैं। जामुन में मौजूद एंटी–डायबिटिक और एंटीऑक्सीडेंट गुण इन लक्षणों को कम करने में मदद कर सकते हैं। साथ ही यह शरीर को हाइड्रेट रखने में भी सहायक होता है। जामुन हृदय स्वास्थ्य के लिए भी लाभकारी माना जाता है। इसमें पोटैशियम और एंटीऑक्सीडेंट्स की अच्छी मात्रा

इंसुलिन सेंसिटिविटी बढ़ाने में सहायक

होती है, जो ब्लड प्रेशर को नियंत्रित रखने और दिल की बीमारियों के खतरे को कम करने में मदद करते हैं। साथ ही इसमें कैलोरी कम और फाइबर अधिक होता है, जिससे यह वजन नियंत्रित करने में भी सहायक है। विशेषज्ञों के अनुसार, डायबिटीज के मरीज एक दिन में लगभग 80 से 100 ग्राम जामुन का सेवन कर सकते हैं। इसके अलावा, जामुन की गुठली को भी फायदेमंद माना जाता है। इसे सुखाकर पाउडर बनाया जाता है और सुबह खाली पेट गुनगुने पानी के साथ लिया जाता है, जिससे शुगर नियंत्रण में सहायता मिल सकती है। हालांकि, किसी भी घरेलू उपाय को अपनाने से पहले डॉक्टर की सलाह लेना जरूरी है, ताकि शरीर की स्थिति के अनुसार सही डाइट तय की जा सके।

जीवन में सफलता का रास्ता दिखाते है

संघर्ष और साहस की सीख देते सुभाष चंद्र बोस के विचार

यूनिक समय, नई दिल्ली। नेताजी सुभाष चंद्र बोस भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के महान क्रांतिकारी नेता थे, जिन्होंने अपने साहस, दृढ़ संकल्प और देशभक्ति से पूरे देश को प्रेरित किया। उनका नाम भारतीय इतिहास में सम्मान और गर्व के साथ लिया जाता है। वे उन नेताओं में से थे जिन्होंने भारत की आजादी के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर कर दिया। नेताजी केवल एक स्वतंत्रता सेनानी ही नहीं थे, बल्कि एक दूरदर्शी विचारक, कुशल संगठनकर्ता और युवाओं के प्रेरणास्रोत भी थे। उनके विचार आज भी उतने ही प्रासंगिक हैं जितने स्वतंत्रता संग्राम के समय थे। सुभाष चंद्र बोस का जन्म 23 जनवरी 1897 को कटक, ओडिशा में हुआ था। बचपन से ही वे मेधावी और राष्ट्रप्रेम की भावना से ओत–प्रोत थे। उन्होंने भारतीय सिविल सेवा (कउर) जैसी प्रतिष्ठित परीक्षा पास की, लेकिन देशसेवा के लिए उस नौकरी को छोड़ दिया। उनका मानना था कि भारत को स्वतंत्र कराने के लिए केवल भाषणों से काम नहीं चलेगा, बल्कि साहसिक कदम उठाने होंगे। इसी सोच के साथ उन्होंने आजाद हिंद फौज का

गठन किया और अंग्रेजों के खिलाफ संघर्ष को नई दिशा दी। नेताजी के विचारों में आत्मविश्वास, त्याग और संघर्ष की भावना स्पष्ट दिखाई देती है। उन्होंने कहा था, "तुम मुझे खून दो, मैं तुम्हें आजादी दूंगा।" यह नारा उनके अदम्य साहस और देश के प्रति समर्पण को दर्शाता है। उनका मानना था कि बिना त्याग के कोई भी बड़ी उपलब्धि हासिल नहीं की जा सकती। वे हमेशा युवाओं को अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित रहने और कठिन परिस्थितियों में भी हार न मानने की प्रेरणा देते थे। नेताजी ने विचारों की शक्ति पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा था कि एक व्यक्ति किसी विचार के लिए मर सकता है, लेकिन वह विचार उसकी मृत्यु के बाद भी हजारों लोगों को प्रेरित करता रहता है। यह संदेश आज भी हमें सिखाता है कि अच्छे विचार और आदर्श कभी समाप्त नहीं होते। वे आने वाली पीढ़ियों के लिए मार्गदर्शक बन जाते हैं। उनका मानना था कि जीवन में संघर्ष और कठिनाइयां आवश्यक हैं। बिना चुनौतियों के सफलता का महत्व समझ में नहीं आता। वे असफलता को सफलता की पहली सीढ़ी मानते थे और कहते थे कि जो व्यक्ति असफलताओं से सीखता है, वही आगे चलकर बड़ी सफलता प्राप्त करता है। उनके अनुसार, साहस और धैर्य के साथ आगे बढ़ने वाला व्यक्ति कभी पराजित नहीं होता। नेताजी अन्याय और अत्याचार के खिलाफ खड़े होने के पक्षधर थे। उनका विश्वास था कि अन्याय सहना भी उतना ही गलत है जितना अन्याय करना। इसलिए हर व्यक्ति को सत्य और न्याय का साथ देना चाहिए। उनके विचार हमें यह भी सिखाते हैं कि राष्ट्रहित को हमेशा व्यक्तिगत स्वार्थ से ऊपर रखना चाहिए। आज के समय में नेताजी सुभाष चंद्र बोस के विचार युवाओं के लिए एक मार्गदर्शक प्रकाश की तरह हैं। उनका जीवन हमें आत्मविश्वास, अनुशासन, देशभक्ति और संघर्ष का महत्व सिखाता है। उनके प्रेरक विचार लोगों को अपने सपनों को पूरा करने, समाज के लिए सकारात्मक कार्य करने और देश के विकास में योगदान देने की प्रेरणा देते हैं। यही कारण है कि नेताजी आज भी करोड़ों भारतीयों के दिलों में जीवित हैं और आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करते रहेंगे।

रेस्टोरेंट स्टाइल मे बनाएं कुरकुरी भिंडी

चिपचिपी नहीं, एकदम क्रिस्पी सब्जी

यूनिक समय, नई दिल्ली। भिंडी की सब्जी हर घर में पसंद की जाती है, लेकिन कई बार यह चिपचिपी हो जाती है। ऐसे में कुरकुरी भिंडी की रेसिपी एक बेहतरीन विकल्प है, जो न सिर्फ स्वादिष्ट होती है बल्कि रेस्टोरेंट जैसी करारी भी बनती है। इसे बनाना आसान है और यह दाल–चावल के साथ खाने में बेहद स्वादिष्ट लगती है। कुरकुरी भिंडी बनाने के लिए सबसे पहले लगभग 250 ग्राम ताजी भिंडी लें। भिंडी को अच्छी तरह धोकर उसका पानी पूरी तरह सूखने दें, क्योंकि गीली भिंडी चिपचिपी हो जाती है। सूखने के बाद भिंडी को लंबाई में काट लें। अगर भिंडी मोटी हो तो उसे चार हिस्सों में भी काट सकते हैं। इसके बाद एक कड़ाही में सरसों का तेल गर्म करें। तेल अच्छी तरह गर्म होना जरूरी है ताकि भिंडी कुरकुरी बने। कटी हुई भिंडी में दो बड़े चम्मच बेसन डालकर अच्छी तरह मिला लें ताकि हर टुकड़े पर हल्की परत बन जाए। इसके बाद स्वादानुसार नमक और थोड़ा नींबू रस मिलाएं, जिससे स्वाद और भी बढ़ जाता है। अब भिंडी को गर्म तेल में डालकर तेज आंच पर फ्राई करें। इसे तब तक तलें जब तक यह सुनहरी और कुरकुरी न हो जाए। तैयार भिंडी को निकालकर पेपर नैपकिन पर रखें ताकि अतिरिक्त तेल निकल जाए। इसी तरह सारी भिंडी फ्राई कर लें। अंत में भिंडी के ऊपर चाट मसाला, आमचूर पाउडर और लाल मिर्च पाउडर छिड़क दें। इससे इसका स्वाद और भी लाजवाब हो जाता है। इसे तुरंत दाल के साथ परोसें, क्योंकि गर्म भिंडी ही सबसे ज्यादा कुरकुरी लगती है। यह रेसिपी न सिर्फ स्वाद में बेहतरीन है बल्कि बच्चों से लेकर बड़ों तक सभी को पसंद आती है। अगर आप रोज की भिंडी से बोर हो चुके हैं तो यह कुरकुरी भिंडी जरूर ट्राई करें।

पित्त दोष से राहत पाने के लिए अपनाएं आयुर्वेदिक उपाय

खाएं तरबूज, खीरा और हरी पत्तेदार सब्जियां

आयुर्वेद में संतुलन सबसे जरूरी सिद्धांत

खानपान और जीवनशैली से मिलती मदद

यूनिक समय, नई दिल्ली। आयुर्वेद के अनुसार शरीर में तीन दोष–वात, पित्त और कफ–पाए जाते हैं, जिनका संतुलन बिगड़ने पर कई तरह की स्वास्थ्य समस्याएं पैदा हो सकती हैं। पित्त दोष मुख्य रूप से अग्नि और जल तत्व से मिलकर बनता है और यह शरीर के पाचन, तापमान और हार्मोन को नियंत्रित करता है। जब यह असंतुलित हो जाता है, तो शरीर में

कई परेशानियां देखने को मिलती हैं। विशेषज्ञों के अनुसार पित्त दोष बढ़ने पर व्यक्ति को पेट से जुड़ी समस्याएं जैसे एसिडिटी, गैस और अपच हो सकती हैं। इसके अलावा त्वचा संबंधी दिक्कतें, ज्यादा पसीना आना, शरीर से तेज गंध और चिड़चिड़ापन भी इसके प्रमुख लक्षण माने जाते हैं। यह स्थिति लंबे समय तक बनी रहे तो पाचन अग्नि कमजोर हो सकती है और भोजन सही तरीके से पच नहीं पाता। पित्त दोष को संतुलित करने के लिए सबसे पहले खानपान पर ध्यान देना जरूरी है। आयुर्वेद में नारियल पानी, तरबूज, खीरा और हरी पत्तेदार सब्जियों को बेहद लाभकारी बताया गया है। ये शरीर को ठंडक प्रदान करते हैं और पित्त को नियंत्रित रखने में मदद करते हैं। इसके विपरीत ज्यादा मसालेदार, तैलीय और खट्टे खाद्य पदार्थों से परहेज करने की सलाह दी जाती है। जीवनशैली में बदलाव भी पित्त दोष को नियंत्रित करने में अहम भूमिका निभाते हैं। पर्याप्त मात्रा में पानी पीना, तेज धूप से बचना और नियमित योग व प्राणायाम करना फायदेमंद माना जाता है। इससे तनाव कम होता है और शरीर में संतुलन बना रहता है। आयुर्वेद के अनुसार घी का सेवन भी पित्त को शांत करने में मदद करता है, लेकिन इसका उपयोग सीमित मात्रा में ही करना चाहिए। साथ ही भोजन का समय नियमित रखना और रात का खाना सोने से कम से कम दो घंटे पहले करना भी जरूरी है। विशेषज्ञों का कहना है कि यदि इन आदतों को अपनाया जाए तो पित्त दोष को काफी हद तक नियंत्रित किया जा सकता है और शरीर को स्वस्थ रखा जा सकता है।

राहत इंदौरी के वो 15 मशहूर शेर, जो आज भी दिलों में जिंदा हैं

यूनिक समय, नई दिल्ली। उर्दू शायरी की दुनिया में राहत इंदौरी एक ऐसा नाम हैं, जिनकी शायरी आज भी करोड़ों लोगों के दिलों में जिंदा है। अपनी बेबाक सोच, दमदार आवाज़ और अनोखे अंदाज़ के कारण उन्होंने शायरी को नई पहचान दी। राहत साहब सिर्फ एक शायर नहीं थे, बल्कि वे आम लोगों की भावनाओं और समाज की सच्चाइयों को अपने अल्फाज़ में पिरोने वाले एक बेहतरीन कलाकार भी थे।

उनकी रचनाओं में मोहब्बत की नज़ाकत, जिंदगी के अनुभव, समाज की विसंगतियां और सियासत पर तीखा व्यंग्य देखने को मिलता है। राहत इंदौरी के शेरों की सबसे बड़ी खासियत यह है कि वे सीधे दिल पर असर करते हैं। उनके शब्द सरल होते हुए भी गहरे अर्थ समेटे रहते हैं। यही वजह है कि उनके कई शेर आज भी सोशल मीडिया पर खूब साझा किए जाते हैं और मुशायरों में बड़े उत्साह के साथ सुने जाते हैं। "हम से पहले भी मुसाफ़िर कई गुज़रे होंगे, कम से कम राह के पत्थर तो हटाते जाते" जैसे शेर जीवन की जिम्मेदारियों और समाज के प्रति हमारे कर्तव्यों की याद दिलाते हैं। वहीं "अब तो हर हाथ का पत्थर हमें पहचानता है" जैसे शेर संघर्ष और अनुभव की कहानी बयां करते हैं। राहत साहब की शायरी में सिर्फ इश्क और रोमांस ही नहीं, बल्कि आत्मसम्मान, हौसला और सच्चाई की भी झलक मिलती है। वे अपने विचारों को बेखौफ होकर पेश करते थे, इसलिए उनकी शायरी हर वर्ग के लोगों को पसंद आती है। उनकी रचनाएं आज भी नई पीढ़ी को प्रेरित करती हैं और जिंदगी को सकारात्मक नजरिए से देखने का संदेश देती हैं।

सुविचार

जिंदगी में हर दिन नया मौका लेकर आती है, इसलिए मुस्कुराते रहिए।

कल का पंचांग

तिथि	षष्ठी	01:20-02:41 तक	पक्ष	कृष्ण पक्ष
नक्षत्र	घनिष्ठा	06:03-07:55 तक	माह	ज्येष्ठ
सूर्योदय		5:28 AM	चन्द्रोदय	11:43 PM
सूर्यास्त		7:07 PM	चंद्रास्त	11:12 AM
सूर्य राशि		वृषभ राशि	चंद्र	कुंभ राशि
शुभ मुहूर्त		11:50AM -12:45 PM	ब्रहम् मुहूर्त	03:51-04:39
त्योहार/व्रत			विक्रम संवत्	2083
राहुकाल		08:52 AM: 10:35 AM	वार	शनिवार

ब्रज के मंदिरों के दर्शन

ब्रज की सभी कथा और श्री राधा कृष्ण की सभी लीलाओं के दर्शन यूनिक समय चैनल के माध्यम से करें।

Youtube Channel : https://youtube.com/uniquesamay

बिना पूजा–पाठ के चमकेगी किस्मत, बस बदलें ये रोजमर्रा की आदतें

नौ ग्रह खुद बनेंगे आपके मददगार

यूनिक समय, मथुरा। ज्योतिष शास्त्र में ग्रहों की स्थिति को जीवन के सुख–दुख, सफलता और मानसिक स्थिति से जोड़कर देखा जाता है। हालांकि ज्योतिषाचार्यों का मानना है कि ग्रहों को अनुकूल बनाने के लिए केवल पूजा–पाठ या विशेष अनुष्ठानों की ही आवश्यकता नहीं होती। दैनिक जीवन की कुछ अच्छी आदतें भी ग्रहों के सकारात्मक प्रभाव को बढ़ा सकती हैं और राहु, केतु तथा शनि जैसे ग्रहों के नकारात्मक प्रभाव को कम कर सकती हैं। विशेषज्ञों के अनुसार दिन की शुरुआत सबसे महत्वपूर्ण होती है। सुबह उठते ही मोबाइल फोन देखने की आदत राहु के प्रभाव को बढ़ाने वाली मानी जाती है। ज्योतिष में राहु को भ्रम, आभासी दुनिया और मानसिक विचलन का कारक माना गया है। इसलिए सुबह कुछ समय तक मोबाइल और सोशल मीडिया से दूरी बनाए रखने की सलाह दी जाती है। सुबह तांबे के पात्र में रखा जल पीना भी लाभकारी माना जाता है। ज्योतिषीय मान्यताओं के अनुसार इससे सूर्य और मंगल ग्रह को बल मिलता है। सूर्य आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता और ऊर्जा का प्रतीक है, जबकि मंगल साहस, पराक्रम और कार्यक्षमता का प्रतिनिधित्व करता है। रोजाना योग, व्यायाम या प्राणायाम करने से भी मंगल ग्रह मजबूत होता है। इससे व्यक्ति की इच्छाशक्ति बढ़ती है और निर्णय लेने की क्षमता बेहतर होती है। वहीं नियमित रूप से स्नान कर स्वच्छ और व्यवस्थित वस्त्र पहनने को शुक्र ग्रह की शुभता बढ़ाने वाला माना गया है। शुक्र जीवन में आकर्षण, सौंदर्य और सुख–सुविधाओं का कारक माना जाता है।

ज्योतिष शास्त्र में कुछ मिनट ध्यान, पूजा या ईश्वर स्मरण को भी महत्वपूर्ण बताया गया है। इससे बृहस्पति ग्रह मजबूत होता है, जो ज्ञान, विवेक और सकारात्मक सोच का प्रतिनिधित्व करता है। इसके अलावा माता–पिता का आशीर्वाद लेना सूर्य और चंद्रमा की कृपा प्राप्त करने का सरल उपाय माना गया है।

दिनभर का अनुशासन भी ग्रहों को प्रभावित करता है। समय पर कार्य करना, अधूरे कामों को पूरा करना और जिम्मेदारियों का निर्वहन करना सूर्य और मंगल ग्रह को मजबूत करता है। वहीं क्रोध, कटु वाणी और असंयमित व्यवहार ग्रहों के नकारात्मक प्रभाव को बढ़ा सकते हैं।

ज्योतिषीय मान्यताओं के अनुसार महिलाओं का सम्मान करना, जरूरतमंद लोगों की सहायता करना और स्क्रीन टाइम को सीमित रखना भी राहु, केतु और शनि के दुष्प्रभाव को कम करने में सहायक माना जाता है। विशेषज्ञों का कहना है कि यदि व्यक्ति अपनी दिनचर्या में छोटे–छोटे सकारात्मक बदलाव कर ले, तो बिना किसी विशेष पूजा–पाठ के भी जीवन में सकारात्मकता और संतुलन का अनुभव कर सकता है।

मंदिर खुलने व बंद होने का समय

- श्रीबांके बिहारीजी मंदिर में सुबह 8 .00 से दोपहर 01 .30 बजे तक और शाम 4 .00 से रात 9 .00 बजे तक।
- श्रीकृष्ण जन्मभूमि में श्री गर्भगृह के दर्शन सुबह 6 .30 बजे से रात 9 बजे तक।
- श्रीकृष्ण जन्मभूमि के भागवत भवन व अन्य मंदिर में सुबह 6 .30 बजे से दोपहर 12 बजे तक और शाम 4 बजे से रात 9 बजे तक।
- द्वारकाधीश मंदिर में सुबह 6 .30 बजे से 11 बजे तक और शाम 4 बजे से 7 .30 बजे तक।

कल का राशिफल

मेष: कल कार्यक्षेत्र में नई जिम्मेदारियां मिल सकती हैं। आत्मविश्वास बढ़ेगा और पुराने प्रयासों का लाभ मिलेगा। पारिवारिक सहयोग रहेगा।

वृषभ: भाग्य का साथ मिलेगा और रुके कार्य गति पकड़ेंगे। व्यापार में लाभ के संकेत हैं। मित्रों से सहयोग मिलेगा। यात्रा का योग बन सकता है। स्वास्थ्य सामान्य रहेगा, खानपान पर ध्यान दें।

मिथुन: कल धैर्य और समझदारी से काम लें। अचानक खर्च बढ़ सकते हैं। नौकरीपेशा लोगों को नई जिम्मेदारी मिल सकती है। परिवार के साथ समय बिताने का अवसर मिलेगा। विवादों से दूर रहें।

कर्क : दांपत्य जीवन में मधुरता बढ़ेगी। साझेदारी के कार्यों में सफलता मिल सकती है। आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। किसी शुभ समाचार से मन प्रसन्न रहेगा।

सिंह: कार्यस्थल पर मेहनत का पूरा फल मिलेगा। विरोधी शांत रहेंगे। स्वास्थ्य में सुधार होगा। नई योजनाओं पर काम शुरू कर सकते हैं। परिवार के बुजुर्गों का मार्गदर्शन लाभकारी रहेगा।

कन्या: रचनात्मक कार्यों में सफलता मिलेगी। विद्यार्थियों के लिए दिन शुभ है। प्रेम संबंधों में मधुरता बनी रहेगी। निवेश संबंधी निर्णय सोच–समझकर लें। संतान पक्ष से सुखद समाचार मिल सकता है।

तुला: घरेलू मामलों में व्यस्तता बढ़ सकती है। संपत्ति से जुड़े कार्यों में प्रगति होगी। माता–पिता का सहयोग मिलेगा। आर्थिक स्थिति संतुलित रहेगी। मानसिक शांति बनाए रखने का प्रयास करें।

वृश्चिक: साहस और पराक्रम में वृद्धि होगी। नई योजनाओं में सफलता के संकेत हैं। भाई–बहनों से सहयोग मिलेगा। छोटी यात्रा लाभदायक हो सकती है। सकारात्मक सोच आपको आगे बढ़ाएगी।

धनु : आर्थिक मामलों में लाभ के अवसर मिलेंगे। वाणी की मधुरता से संबंध मजबूत होंगे। परिवार में सुखद वातावरण रहेगा। निवेश से पहले विशेषज्ञ की सलाह लेना बेहतर रहेगा।

मकर: आत्मविश्वास और ऊर्जा से भरपूर रहेंगे। करियर में उन्नति के अवसर मिल सकते हैं। सामाजिक क्षेत्र में सम्मान बढ़ेगा। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। किसी महत्वपूर्ण निर्णय में सफलता मिलेगी।

कुंभ: कल खर्चों पर नियंत्रण रखना आवश्यक होगा। आध्यात्मिक गतिविधियों में रुचि बढ़ सकती है। कार्यक्षेत्र में धैर्य से काम लें। पुराने मित्र से मुलाकात संभव है। मानसिक संतुलन बनाए रखें।

मीन: आय के नए स्रोत बन सकते हैं। मित्रों और शुभचिंतकों का सहयोग मिलेगा। करियर में प्रगति के अवसर मिलेंगे। पारिवारिक वातावरण सुखद रहेगा। भविष्य की योजनाओं पर काम शुरू कर सकते हैं।

55 डिग्री तपिश में भी ठंडा रहता यह रहस्यमयी शिव मंदिर

यूनिक समय, मथुरा। ओडिशा के टिटलागढ़ क्षेत्र में स्थित एक प्राचीन शिव–पार्वती मंदिर इन दिनों अपनी रहस्यमयी विशेषता के कारण लोगों के आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। स्थानीय मान्यताओं के अनुसार भीषण गर्मी के बीच भी मंदिर का आंतरिक वातावरण आश्चर्यजनक रूप से ठंडा बना रहता है।

टिटलागढ़ को ओडिशा के सबसे गर्म क्षेत्रों में गिना जाता है। गर्मियों के दौरान यहां तापमान 50 डिग्री सेल्सियस से अधिक तक पहुंच जाता है। कुमड़ा पहाड़ क्षेत्र में स्थित यह प्राचीन मंदिर तपती चट्टानों और तेज धूप के बीच मौजूद है। बाहरी वातावरण जहां

अत्यधिक गर्म रहता है, वहीं मंदिर के अंदर प्रवेश करते ही तापमान में उल्लेखनीय अंतर महसूस होता है।

श्रद्धालुओं का दावा है कि मंदिर परिसर के भीतर वातावरण इतना ठंडा रहता है कि गर्मी के मौसम में भी राहत का अनुभव होता है। कई लोगों का मानना है कि जैसे–जैसे बाहर का तापमान बढ़ता है, मंदिर के भीतर शीतलता और

टिटलागढ़ का अनोखा रहस्य

आस्था और विज्ञान आमने–सामने

अधिक महसूस होती है। यही कारण है कि दूर–दूर से श्रद्धालु और पर्यटक इस अद्भुत अनुभव को देखने के लिए यहां पहुंचते हैं। स्थानीय लोगों के अनुसार यह मंदिर सदियों पुराना है और इसकी संरचना भी विशेष प्रकार की है। मंदिर में किसी प्रकार का एयर कंडीशनर, कूलर या आधुनिक शीतलन उपकरण नहीं है। इसके बावजूद अंदर का वातावरण सामान्य तापमान की तुलना में अधिक ठंडा महसूस होता है। विशेषज्ञों का मानना है कि किसी भी प्राचीन निर्माण की वास्तुकला, पत्थरों की प्रकृति, वायु संचार और भौगोलिक स्थिति तापमान को प्रभावित कर सकती है। हालांकि इस मंदिर को लेकर कई धार्मिक मान्यताएं भी प्रचलित हैं। श्रद्धालु इसे भगवान शिव की कृपा और आध्यात्मिक शक्ति से जोड़कर देखते हैं। आस्था और रहस्य का यह अनोखा संगम आज भी लोगों को आकर्षित कर रहा है। चाहे इसे प्राचीन वास्तुकला का चमत्कार कहा जाए या श्रद्धा का प्रभाव, टिटलागढ़ का यह शिव मंदिर लोगों के लिए आश्चर्य और विश्वास का अद्भुत केंद्र बना हुआ है।

निराशा छोड़िए, आपके जीवन में आने वाला है बड़ा बदलाव

यूनिक समय, मथुरा। जीवन में कई बार ऐसा लगता है कि हर रास्ता बंद हो गया है और मेहनत के बावजूद सफलता हाथ नहीं लग रही। लेकिन ज्योतिष शास्त्र के अनुसार हर अंधेरे दौर के बाद एक नई सुबह जरूर आती है। ग्रहों की अनुकूल स्थिति और जीवन में दिखाई देने वाले कुछ संकेत बताते हैं कि जल्द ही परिस्थितियां बदल सकती हैं और जीवन का नया अध्याय शुरू हो सकता है।

ज्योतिष मान्यताओं के अनुसार जब भाग्य परिवर्तन का समय निकट होता है तो व्यक्ति के जीवन में कुछ विशेष संकेत दिखाई देने लगते हैं। इनमें सबसे पहला संकेत अचानक मिलने वाले अवसर होते

हैं। लंबे समय से रुके हुए कार्य गति पकड़ने लगते हैं, नई नौकरी के प्रस्ताव मिलने लगते हैं या व्यवसाय में नए रास्ते खुलते दिखाई देते हैं। कई बार ऐसी जगह से सहयोग मिलता है, जहां से उम्मीद भी नहीं होती।

दूसरा महत्वपूर्ण संकेत शुभ प्रतीकों का बार–बार दिखाई देना माना जाता है। सुबह के समय मंदिर के दर्शन होना, सफेद गाय दिखना, मोरपंख मिलना या लगातार सकारात्मक समाचार सुनना शुभ समय के आगमन का संकेत माना जाता है। मान्यता है कि ऐसे संकेत व्यक्ति के आसपास सकारात्मक ऊर्जा के बढ़ने का संकेत देते हैं। तीसरा संकेत सपनों से जुड़ा होता है। यदि लगातार साफ जल, उगता सूरज, मंदिर, पर्वत या प्रकाश से जुड़े दृश्य सपनों में दिखाई दें तो इसे सफलता और नई संभावनाओं का सूचक माना जाता है। ज्योतिषाचार्यों का मानना है कि ऐसे सपने भविष्य में आने वाले अच्छे समय की सूचना देते हैं। चौथा संकेत आत्मविश्वास का बढ़ना है। कई बार बिना

नए अवसर दे रहे दस्तक, शुभ संकेत बदलेंगे जीवन

किसी विशेष कारण के मन में नई ऊर्जा का संचार होने लगता है। चिंता कम होने लगती है और भविष्य को लेकर सकारात्मक सोच विकसित होती है। यह बदलाव शुभ ग्रहों के प्रभाव का संकेत माना जाता है, जो आने वाली सफलता का आधार बनता है। पांचवां संकेत पुराने रिश्तों और अधूरे कार्यों का दोबारा जुड़ना है। लंबे समय से टूटे संपर्क फिर स्थापित होने लगते हैं और रुके हुए काम पूरे होने की दिशा में बढ़ते हैं। कई बार ऐसे लोग जीवन में वापस आते हैं, जो आगे बढ़ने में मददगार साबित होते हैं। इसके अलावा मानसिक शांति का अनुभव भी शुभ संकेत माना जाता है। यदि लंबे समय की बेचैनी के बाद मन शांत रहने लगे, पूजा–पाठ या आध्यात्मिक गतिविधियों में रुचि बढ़ जाए, तो यह संकेत हो सकता है कि जीवन सकारात्मक बदलाव की ओर बढ़ रहा है। ज्योतिष मान्यताओं के अनुसार ये संकेत बताते हैं कि कठिन समय स्थायी नहीं होता। यदि जीवन में ऐसे अनुभव दिखाई दे रहे हैं तो संभव है कि आपके लिए सफलता, सुख और नई शुरुआत का दौर जल्द शुरू होने वाला हो।

सम्पादकीय

एक दिन की सख्ती बाकी दिन सब मस्ती

मथुरा की सड़कों पर यदि किसी दिन अचानक पुलिस की भारी मौजूदगी दिखाई दे, जगह–जगह नाकाबंदी हो, वाहन चालकों के चालान कटने लगें और अपराधियों की धरपकड़ की खबरें सुर्खियां बन जाएं, तो समझ लीजिए कोई विशेष अभियान चल रहा है। ऐसे अभियानों के दौरान ऐसा माहौल बनता है मानो अब शहर की यातायात व्यवस्था पूरी तरह सुधर जाएगी और अपराधियों के लिए जिले में कोई जगह नहीं बचेगी। लेकिन अभियान खत्म होते ही हालात अक्सर फिर पुराने ढर्रे पर लौट आते हैं।

पवन गौतम
संपादक

धार्मिक नगरी मथुरा में प्रतिदिन हजारों श्रद्धालु, पर्यटक और स्थानीय लोग सड़कों पर निकलते हैं। होली, जन्माष्टमी, अधिक मास और प्रमुख त्योहारों के दौरान तो यातायात व्यवस्था किसी परीक्षा से कम नहीं होती। ऐसे में बिना हेलमेट बाइक दौड़ाते युवक, ट्रिपल राइडिंग, गलत दिशा से आते वाहन और सार्वजनिक स्थानों पर जाम लगाना आम दृश्य बन चुके हैं। पुलिस जब अभियान चलाती है तो एक ही दिन में सैकड़ों चालान काटे जाते हैं। इससे यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि यदि एक दिन में इतनी लापरवाही पकड़ में आ सकती है तो बाकी दिनों में यह सब कैसे नजरअंदाज होता रहता है?

अपराध के मोर्चे पर भी तस्वीर कुछ ऐसी ही है। अभियान के दौरान वांछित अपराधियों की गिरफ्तारी होती है, संदिग्धों की जांच होती है और पुलिस अपनी उपलब्धियों का ब्योरा जारी करती है। लेकिन आम नागरिक पूछता है कि क्या अपराधी केवल अभियान वाले दिन ही सक्रिय होते हैं? यदि नहीं, तो फिर नियमित निगरानी और कार्रवाई उतनी प्रभावी क्यों नहीं दिखती? विडंबना यह है कि अभियान अब व्यवस्था का पूरक नहीं, बल्कि कई बार उसका विकल्प बनते दिखाई देते हैं। जैसे किसी छात्र ने पूरे साल पढ़ाई न की हो और परीक्षा से एक रात पहले पूरी किताब पढ़ने बैठ जाए। नतीजा कुछ समय के लिए भले संतोषजनक लगे, लेकिन स्थायी सुधार नहीं हो पाता।

संपादकीय सुनने के लिए मोबाइल से QR कोड को स्कैन करें।

तीर्थनगरी में कानून और यातायात व्यवस्था को अभियान आधारित नहीं, बल्कि निरंतर व्यवस्था आधारित बनाना होगा। श्रद्धालुओं की सुरक्षा, नागरिकों की सुविधा और अपराध नियंत्रण के लिए जरूरी है कि सख्ती केवल विशेष दिनों तक सीमित न रहे। क्योंकि कानून का सम्मान तब पैदा होता है जब व्यवस्था रोज दिखाई दे, न कि केवल अभियान के पोस्टरों और प्रेस विज्ञप्तियों में। मथुरा को अभियानों की नहीं, लगातार जागती हुई व्यवस्था की जरूरत है।

नजरिया

पर्यावरण नहीं बचा तो विकास भी नहीं बचेगा

बोध प्रकाश सगुणी

विश्व पर्यावरण दिवस केवल एक वार्षिक औपचारिकता नहीं, बल्कि मानव सभ्यता के अस्तित्व और पृथ्वी के भविष्य को सुरक्षित रखने का वैश्विक संकल्प है। विश्व पर्यावरण दिवस ऐसे समय में आया है जब पूरी दुनिया जलवायु परिवर्तन, प्लास्टिक प्रदूषण, जैव विविधता के क्षरण, जल संकट और बढ़ते प्रदूषण जैसी गंभीर चुनौतियों से जूझ रही है। इस वर्ष की थीम "प्लास्टिक प्रदूषण का अंत" केवल प्लास्टिक के उपयोग को सीमित करने का संदेश नहीं देती, बल्कि यह उपभोगवादी जीवनशैली और प्रकृति–विरोधी विकास मॉडल पर पुनर्विचार करने का भी आह्वान है।

आज पर्यावरणीय संकट भविष्य की आशंका नहीं, बल्कि वर्तमान की कठोर सच्चाई बन चुका है। दुनिया के लगभग सभी देशों में मौसम का असामान्य व्यवहार देखने को मिल रहा है। कहीं रिकॉर्ड तोड़ गर्मी लोगों का जीवन कठिन बना रही है, तो कहीं अचानक आने वाली बाढ़ और अत्यधिक वर्षा व्यापक तबाही का कारण बन रही है। कई क्षेत्रों में सूखा और जल संकट लोगों की रोजमर्रा की जरूरतों पर सीधा प्रभाव डाल रहे हैं। भारत भी इन चुनौतियों से अछूता नहीं है। हिमालयी क्षेत्रों में तेजी से पिघलते ग्लेशियर, उत्तराखंड के जंगलों में बढ़ती आग की घटनाएं, महानगरों में प्रदूषण का खतरनाक स्तर और बेंगलुरु जैसे आधुनिक शहरों में गहराता जल संकट स्पष्ट संकेत हैं कि प्रकृति का संतुलन लगातार बिगड़ रहा है। संयुक्त राष्ट्र और विभिन्न अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं की रिपोर्टें लगातार चेतावनी दे रही हैं कि जलवायु परिवर्तन अब मानवता के लिए सबसे बड़ा खतरा बन चुका है। पिछले एक दशक में जलवायु संबंधी आपदाओं ने लाखों लोगों की जान ली है और वैश्विक अर्थव्यवस्था को खरबों डॉलर का नुकसान पहुंचाया है। वैज्ञानिकों का मानना है कि यदि वैश्विक तापमान वृद्धि को नियंत्रित नहीं किया गया, तो आने वाले वर्षों में स्थिति और अधिक गंभीर हो सकती है। वर्ष 2015 के पेरिस जलवायु समझौते में तापमान वृद्धि को 1.5 डिग्री सेल्सियस तक सीमित रखने का लक्ष्य तय किया गया था, लेकिन वर्तमान परिस्थितियां दर्शाती हैं कि दुनिया अभी भी उस लक्ष्य से काफी दूर है। सबसे चिंताजनक तथ्य यह है कि पर्यावरण और जलवायु परिवर्तन जैसे गंभीर विषयों को राजनीतिक प्राथमिकताओं में वह स्थान नहीं मिल पाया है, जिसके वे अधिकारी हैं। चुनावों के दौरान रोजगार, स्वास्थ्य, शिक्षा और बुनियादी सुविधाओं पर व्यापक चर्चा होती है, लेकिन स्वच्छ हवा, स्वच्छ जल, हरित विकास और जलवायु सुरक्षा जैसे मुद्दे अक्सर हाशिये पर चले जाते हैं। अधिकांश राजनीतिक दल पर्यावरण को वोट दिलाने वाला विषय नहीं मानते। परिणामस्वरूप यह मुद्दा चुनावी बहस और राजनीतिक प्रतिस्पर्धा का हिस्सा नहीं बन पाता। जबकि वास्तविकता यह है कि आने वाली पीढ़ियों का जीवन, स्वास्थ्य और सुरक्षा सीधे तौर पर पर्यावरणीय संतुलन पर निर्भर करती है। पर्यावरणीय संकट की जड़ में विकास की वह अवधारणा है, जिसने प्रकृति को केवल संसाधन और उपभोग की वस्तु मान लिया है। औद्योगिकीकरण और शहरीकरण की दौड़ में जंगलों को काटा गया, नदियों को प्रदूषित किया गया और भूमि को कंक्रीट के जंगलों में बदल दिया गया। विकास के नाम पर प्राकृतिक संसाधनों का अत्यधिक दोहन हुआ, लेकिन उनके संरक्षण पर अपेक्षित ध्यान नहीं दिया गया। परिणामस्वरूप जैव विविधता का क्षरण, भूमिगत जल स्तर में गिरावट, वायु और जल प्रदूषण तथा वन्यजीवों के अस्तित्व पर संकट लगातार गहराता गया। भारतीय संस्कृति और दर्शन ने हमेशा प्रकृति को पूजनीय माना है। हमारे यहां नदियों को मां, वृक्षों को जीवनदाता और पर्वतों को देवतुल्य माना गया। आयुर्वेद और वनौषधि श्वाान इस बात का प्रमाण हैं कि भारतीय समाज ने प्रकृति के साथ सह–अस्तित्व की अवधारणा को जीवन का आधार बनाया था। हजारों वर्षों तक वनस्पतियों और जड़ी–बूटियों ने मानव स्वास्थ्य की रक्षा की, लेकिन आधुनिकता की अंधी दौड़ में यह ज्ञान और प्राकृतिक संपदा दोनों उपेक्षित होते गए। आज जब नई–नई बीमारियां और जीवनशैली संबंधी समस्याएं बढ़ रही हैं, तब दुनिया एक बार फिर प्रकृति की ओर लौटने की आवश्यकता महसूस कर रही है।

यह समझना भी जरूरी है कि वर्तमान संकट केवल पर्यावरणीय नहीं, बल्कि आर्थिक, सामाजिक और नैतिक संकट भी है। वायु प्रदूषण हर वर्ष लाखों लोगों की असामयिक मृत्यु का कारण बन रहा है। दूषित जल स्रोत स्वास्थ्य संबंधी गंभीर समस्याएं उत्पन्न कर रहे हैं। कृषि क्षेत्र मौसम की अनिश्चितताओं से प्रभावित हो रहा है। खाद्य सुरक्षा पर खतरा बढ़ रहा है और गरीब तथा कमजोर वर्ग सबसे अधिक प्रभावित हो रहे हैं। पर्यावरणीय असंतुलन का सबसे बड़ा बोझ वही लोग झेलते हैं, जिनके पास संसाधनों की सबसे अधिक कमी होती है। यही कारण है कि पर्यावरण संरक्षण को सामाजिक न्याय और आर्थिक विकास से अलग करके नहीं देखा जा सकता। भारत में पर्यावरण संरक्षण के लिए अनेक कानून बनाए गए हैं। वन्यजीव संरक्षण अधिनियम, पर्यावरण संरक्षण अधिनियम और विभिन्न प्रदूषण नियंत्रण नियम इसके उदाहरण हैं। लेकिन कानूनों और उनके प्रभावी क्रियान्वयन के बीच आज भी बड़ी खाई मौजूद है। अवैध खनन, वनों की कटाई, नदियों में प्रदूषण और पर्यावरणीय मानकों की अनदेखी यह दर्शाती है कि केवल कानून बनाना पर्याप्त नहीं है। इनके प्रभावी क्रियान्वयन के लिए मजबूत संस्थागत इच्छाशक्ति, पारदर्शिता और जवाबदेही आवश्यक है। हालांकि चुनौतियों के बीच आशा की किरण भी दिखाई देती है। देश और दुनिया के युवाओं में पर्यावरण के प्रति जागरूकता तेजी से बढ़ रही है। विभिन्न सर्वेक्षणों में बड़ी संख्या में युवाओं ने जलवायु परिवर्तन को अपने भविष्य से जुड़ा सबसे महत्वपूर्ण विषय माना है। स्कूलों, विश्वविद्यालयों और सामाजिक संगठनों के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण के लिए अनेक अभियान चलाए जा रहे हैं। यह सकारात्मक संकेत है कि नई पीढ़ी पर्यावरण को केवल प्रकृति का प्रश्न नहीं, बल्कि अपने अस्तित्व और भविष्य का प्रश्न मान रही है। आवश्यकता इस जागरूकता को व्यापक सामाजिक और राजनीतिक आंदोलन में बदलने की है। समाधान के स्तर पर सबसे पहले विकास और पर्यावरण को विरोधी नहीं, बल्कि पूरक मानने की सोच विकसित करनी होगी। स्वच्छ ऊर्जा स्रोतों को बढ़ावा देना, जीवाश्म ईंधनों पर निर्भरता कम करना, सार्वजनिक परिवहन को मजबूत बनाना और ऊर्जा दक्षता को बढ़ाना समय की मांग है। जल संरक्षण को राष्ट्रीय अभियान का रूप देना होगा। वर्षा जल संचयन, जल पुनर्चक्रण और पारंपरिक जल स्रोतों के संरक्षण को प्राथमिकता देनी होगी। वृक्षारोपण को केवल सरकारी कार्यक्रम नहीं, बल्कि जनांदोलन बनाना होगा। साथ ही प्लास्टिक के उपयोग पर प्रभावी नियंत्रण और कचरा प्रबंधन की वैज्ञानिक व्यवस्था विकसित करनी होगी। दूसरा महत्वपूर्ण कदम पर्यावरण को राजनीतिक एजेंडा बनाना है। जिस प्रकार रोजगार, शिक्षा और स्वास्थ्य चुनावी विमर्श का हिस्सा होते हैं, उसी प्रकार पर्यावरणीय सुरक्षा को भी राष्ट्रीय बहस के केंद्र में लाया जाना चाहिए। नागरिकों को अपने जनप्रतिनिधियों से पर्यावरण संबंधी नीतियों और प्रतिबद्धताओं के बारे में प्रश्न पूछने चाहिए।

जब जनता इस विषय को प्राथमिकता देगी, तभी राजनीति भी इसे गंभीरता से लेगी। तीसरा, शिक्षा व्यवस्था में पर्यावरणीय चेतना को व्यवहारिक रूप से शामिल करना आवश्यक है। बच्चों और युवाओं को केवल पाठ्यपुस्तकों तक सीमित ज्ञान नहीं, बल्कि प्रकृति के साथ जुड़ाव, जल संरक्षण, जैव विविधता संरक्षण और कचरा प्रबंधन जैसे व्यावहारिक संस्कार दिए जाने चाहिए। पर्यावरण शिक्षा को जीवन शैली का हिस्सा बनाना समय की आवश्यकता है। अंततः हमें अपनी व्यक्तिगत जीवनशैली में भी बदलाव लाना होगा।

अत्यधिक उपभोग, अपव्यय और सुविधावादी संस्कृति ने पर्यावरणीय संकट को और गहरा किया है। संयमित उपभोग, पुनर्चक्रण, स्थानीय संसाधनों का उपयोग और प्रकृति के प्रति संवेदनशील व्यवहार ही स्थायी समाधान का मार्ग प्रशस्त कर सकते हैं। भारतीय जीवन दर्शन में निहित संतुलन, संयम और सह–अस्तित्व के मूल्य आज पहले से कहीं अधिक प्रासंगिक हैं।

विचार विण्डो

न्याय की भाषा लिखित हो, मौखिक संकेतों की नहीं

राम प्रकाश अग्रवाल

अदालतें लोकतंत्र के उस स्तंभ का प्रतिनिधित्व करती हैं, जहां अंतिम उम्मीद लेकर पहुंचने वाला व्यक्ति यह विश्वास करता है कि उसके साथ न्याय होगा। न्याय केवल फैसला सुनाने की प्रक्रिया नहीं है, बल्कि यह पारदर्शिता, जवाबदेही और कानून के शासन का जीवंत प्रतीक भी है। यही कारण है कि न्यायपालिका की हर टिप्पणी, हर आदेश और हर निर्णय का महत्व होता है। लेकिन जब न्यायालयों में लिखित आदेशों के बजाय मौखिक निर्देशों का प्रभाव बढ़ने लगे, तब यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि आखिर न्याय की वास्तविक भाषा क्या होनी चाहिए– लिखित शब्द या मौखिक संकेत?

हाल के वर्षों में कई ऐसे मामले सामने आए हैं, जिनमें अदालतों की मौखिक टिप्पणियों या निर्देशों को लेकर विवाद पैदा हुआ। इलाहाबाद हाईकोर्ट से जुड़ा हालिया प्रकरण भी इसी बहस को फिर चर्चा में ले आया है। मामला केवल एक अदालत या एक आदेश का नहीं है, बल्कि उस मूलभूत सिद्धांत का है जिस पर पूरी न्यायिक व्यवस्था टिकी हुई है। वह सिद्धांत है– "न्यायाधीश अपने आदेशों और निर्णयों के माध्यम से बोलते हैं।"

भारतीय अदालतों में सुनवाई के दौरान न्यायाधीश अनेक मौखिक टिप्पणियां करते हैं। ये टिप्पणियां न्यायिक विमर्श का हिस्सा होती हैं। कभी वे किसी पक्ष की दलील पर सवाल उठाते हैं, कभी किसी तथ्य पर संदेह व्यक्त करते हैं और कभी आगे की सुनवाई का संकेत देते हैं। यह पूरी प्रक्रिया न्यायिक संवाद का हिस्सा है। लेकिन समस्या तब शुरू होती है, जब कोई मौखिक टिप्पणी या निर्देश कानूनी प्रभाव उत्पन्न करने लगता है और उसका कोई लिखित रिकॉर्ड मौजूद नहीं होता। कल्पना कीजिए कि किसी व्यक्ति की गिरफ्तारी पर अदालत मौखिक रूप से रोक लगा दे, लेकिन लिखित आदेश में उसका उल्लेख न हो। ऐसी स्थिति में पुलिस, अभियोजन पक्ष और यहां तक कि उच्च अदालतें भी असमंजस में पड़ सकती हैं। यदि बाद में विवाद उत्पन्न हो जाए तो यह साबित करना कठिन हो जाता है कि वास्तव में अदालत ने क्या कहा था।

न्याय का आधार रिकॉर्ड होता है, स्मृति नहीं। अदालतें दस्तावेजों और प्रमाणों पर चलती हैं, अनुमान और दावों पर नहीं। सुप्रीम कोर्ट ने समय–समय पर स्पष्ट किया है कि बाध्यकारी वही होता है जो लिखित आदेश का हिस्सा हो। मौखिक टिप्पणियां न्यायिक सोच का संकेत दे सकती हैं, लेकिन वे कानून नहीं बन सकतीं। इसका कारण भी स्पष्ट है। लिखित आदेश में कारण दर्ज होते हैं, तर्क दिए जाते हैं और कानूनी आधार प्रस्तुत किया जाता है। यही वह प्रक्रिया है जो न्याय को पारदर्शी और जवाबदेह बनाती है।

यदि न्यायाधीश केवल मौखिक निर्देशों के आधार पर राहत देने लगें, तो यह व्यवस्था कई प्रकार के जोखिमों को जन्म दे सकती है। सबसे बड़ा खतरा यह है कि ऐसे निर्देशों की समीक्षा संभव नहीं होगी। कोई भी पक्ष उच्च अदालत में अपील तभी कर सकता है, जब उसके पास चुनौती देने के लिए लिखित आदेश हो। बिना रिकॉर्ड के न्यायिक निर्णय न तो परखे जा सकते हैं और न ही सुधारे जा सकते हैं। यह स्थिति किसी लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए उचित नहीं मानी जा सकती। लोकतंत्र में हर शक्ति जवाबदेह होती है और न्यायपालिका भी इसका अपवाद नहीं है। न्यायिक स्वतंत्रता का अर्थ यह नहीं कि निर्णयों की समीक्षा न हो सके। बल्कि स्वतंत्रता और जवाबदेही दोनों एक–दूसरे के पूरक हैं। लिखित आदेश इसी संतुलन को बनाए रखने का माध्यम हैं। दिलचस्प बात यह है कि अदालतों में पारदर्शिता की मांग केवल कानूनी आवश्यकता नहीं, बल्कि सामाजिक अपेक्षा भी है। आम नागरिक यह जानना चाहता है कि किसी आरोपी को राहत क्यों मिली, किसी गिरफ्तारी पर रोक क्यों लगी या किसी याचिका को खारिज क्यों किया गया। जब कारण लिखित रूप में उपलब्ध होते हैं, तब न्याय केवल होता ही नहीं, बल्कि होते हुए दिखाई भी देता है। यही न्याय व्यवस्था की विश्वसनीयता का आधार है। मौखिक निर्देशों का एक और खतरा यह है कि वे भ्रम पैदा कर सकते हैं। न्यायाधीश बदलते रहते हैं, पीठों का गठन बदलता रहता है और मामलों की सुनवाई वर्षों तक चल सकती है। यदि कोई महत्वपूर्ण निर्देश रिकॉर्ड पर नहीं है, तो बाद में उसके अस्तित्व को लेकर विवाद खड़ा होना स्वाभाविक है। इससे न्यायिक प्रक्रिया की स्थिरता और विश्वसनीयता दोनों प्रभावित होती हैं।

आज जब देश की अदालतें डिजिटल युग में प्रवेश कर चुकी हैं, सुनवाई की रिकॉर्डिंग हो रही है और ई–कोर्ट व्यवस्था विकसित हो रही है, तब न्यायिक पारदर्शिता को और मजबूत करने की आवश्यकता है। तकनीक का उद्देश्य भी यही है कि हर महत्वपूर्ण प्रक्रिया का दस्तावेजी रिकॉर्ड उपलब्ध रहे। ऐसे समय में मौखिक निर्देशों पर निर्भरता न्यायिक सुधारों की भावना के विपरीत दिखाई देती है।

न्यायपालिका की सबसे बड़ी ताकत जनता का विश्वास है। यह विश्वास केवल संविधान या कानून की पुस्तकों से नहीं आता, बल्कि न्यायिक प्रक्रिया की निष्पक्षता और पारदर्शिता से पैदा होता है। जब अदालतें स्पष्ट, तर्कपूर्ण और लिखित आदेश देती हैं, तब उनका निर्णय समाज में अधिक स्वीकार्य और सम्मानित होता है।

अंततः यह समझना होगा कि न्याय की दुनिया में शब्दों का महत्व असाधारण होता है। लेकिन हर शब्द का समान महत्व नहीं होता। अदालत में कही गई बातें सुनाई तो देती हैं, पर इतिहास में वही दर्ज होती हैं जो लिखी जाती हैं। न्यायिक शक्ति का वास्तविक स्वरूप भी लिखित आदेशों में ही दिखाई देता है। इसलिए न्याय व्यवस्था की मजबूती, पारदर्शिता और जवाबदेही के लिए यह आवश्यक है कि अदालतें अपने निर्णयों और निर्देशों को स्पष्ट रूप से लिखित रूप में दर्ज करें। क्योंकि न्याय की कसौटी पर अंततः वही शब्द खरे उतरते हैं, जो रिकॉर्ड का हिस्सा बनते हैं, और वही शब्द लोकतंत्र में न्याय की सबसे विश्वसनीय आवाज बनते हैं।

अफगानिस्तान टेस्ट से पहले गंभीर ने दिखाई सख्ती

कोई बहाना अब बिल्कुल नहीं चलेगा

यूनिक समय, नई दिल्ली। अफगानिस्तान के खिलाफ 6 जून से शुरू होने वाले एकमात्र टेस्ट मैच से पहले भारतीय टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कई अहम मुद्दों पर खुलकर अपनी बात रखी। न्यू चंडीगढ़ के मुल्लांपुर स्थित महाराजा यादवेंद्र सिंह स्टेडियम में आयोजित प्रेस वार्ता के दौरान गंभीर ने खिलाड़ियों की भूमिका, टीम संयोजन, विश्व टेस्ट चैंपियनशिप और तैयारी को लेकर स्पष्ट संकेत दिए। सबसे ज्यादा चर्चा उनके उस बयान की रही जिसमें उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में किसी भी तरह के बहाने स्वीकार नहीं किए जा सकते। गंभीर ने माना कि आईपीएल समाप्त होने के तुरंत बाद टेस्ट क्रिकेट खेलना चुनौतीपूर्ण हो सकता है,

पंत समेत टीम के खिलाड़ियों को दी चेतावनी

लेकिन इसके बावजूद खिलाड़ियों को परिस्थितियों के अनुरूप खुद को ढालना होगा। उन्होंने कहा कि टेस्ट क्रिकेट मानसिक मजबूती का खेल है और सफल होने के लिए खिलाड़ियों को हर स्थिति का सामना करने के लिए तैयार रहना चाहिए। ऋषभ पंत को लेकर भी गंभीर ने महत्वपूर्ण टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि टीम प्रबंधन पंत की खेल शैली में कोई बदलाव नहीं चाहता, लेकिन यह भी जरूरी है कि खिलाड़ी मैच की परिस्थितियों का सम्मान करें। उनके इस बयान को पंत के आक्रामक खेल और जिम्मेदारी के बीच संतुलन बनाने के संकेत के रूप में देखा जा रहा है। हालांकि गंभीर ने यह स्पष्ट कर दिया कि टीम का भरोसा पंत पर पूरी तरह कायम है। युवा बल्लेबाज साई सुदर्शन को लेकर भी कोच ने बड़ा संकेत दिया। गंभीर ने कहा कि सुदर्शन को अभी पर्याप्त अवसर नहीं मिले हैं और टीम प्रबंधन उन्हें लगातार मौके देना चाहता है। उन्होंने पुष्टि की कि साई सुदर्शन तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करेंगे। यह फैसला युवा खिलाड़ी के प्रति टीम के विश्वास को दर्शाता है। विश्व टेस्ट चैंपियनशिप को लेकर भी गंभीर आशावादी नजर आए। उन्होंने कहा कि भारतीय टीम में प्रतिभा, अनुभव और जीतने की क्षमता मौजूद है तथा टीम विश्व टेस्ट चैंपियनशिप का खिताब जीतने में सक्षम है। उनका मानना है कि खिलाड़ी यदि अपनी क्षमता के अनुरूप प्रदर्शन करें तो कोई लक्ष्य असंभव नहीं है। इसके अलावा गंभीर ने कहा कि अफगानिस्तान के खिलाफ यह टेस्ट टीम को चौथे स्पिनर के विकल्प का आकलन करने का अवसर भी देगा। भारतीय टीम इस मुकाबले को भविष्य की योजनाओं के लिए महत्वपूर्ण मान रही है। भारतीय टीम की कप्तानी शुभमन गिल कर रहे हैं, जबकि केएल राहुल उपकप्तान की भूमिका में हैं। युवा और अनुभवी खिलाड़ियों के मिश्रण वाली यह टीम अफगानिस्तान के खिलाफ जीत के साथ अपने अभियान की शुरुआत करना चाहेगी। वहीं क्रिकेट प्रशंसकों की नजर अब मैदान पर खिलाड़ियों के प्रदर्शन पर टिकी हुई है।

धीमी पिच पर जीत के बाद पाकिस्तान में छिड़ी बहस

शाहीन ने दिया करारा जवाब

विश्व कप की तैयारी पर बहस

यूनिक समय, नई दिल्ली। पाकिस्तान और ऑस्ट्रेलिया के बीच संपन्न हुई वनडे सीरीज के बाद पिच को लेकर विवाद और चर्चा तेज हो गई है। तीन मैचों की इस सीरीज में अधिकांश मुकाबले लो-स्कोरिंग रहे, जिसके कारण बल्लेबाज बड़ी पारियां खेलने में सफल नहीं हो सके। पाकिस्तान ने तीसरे और निर्णायक मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया को चार विकेट से हराकर सीरीज 2-1 से अपने नाम कर ली, लेकिन जीत से ज्यादा चर्चा पिचों की प्रकृति को लेकर हो रही है। सीरीज समाप्त होने के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में पाकिस्तान के कप्तान शाहीन अफरीदी से धीमी पिचों के बारे में सवाल पूछा गया। इस पर उन्होंने स्पष्ट कहा कि हर देश अपनी परिस्थितियों और ताकत के अनुसार पिच तैयार करता है। उनका कहना था कि घरेलू मैदान पर जीत हासिल करना हर टीम का उद्देश्य होता है और इसी रणनीति के तहत पिचों का चयन किया जाता है। शाहीन ने उदाहरण देते हुए कहा कि जब पाकिस्तान की टीम ऑस्ट्रेलिया दौरे पर गई थी, तब वहां तेज उछाल और हरी घास वाली पिचें मिली थीं। इसके बावजूद पाकिस्तान ने शानदार प्रदर्शन करते हुए सीरीज अपने नाम की थी। उन्होंने कहा कि यदि ऑस्ट्रेलिया अपनी परिस्थितियों का फायदा उठा सकता है तो पाकिस्तान भी घरेलू मैदान पर अपनी रणनीति के अनुसार पिच तैयार करने का अधिकार रखता है। विशेषज्ञों का मानना है कि पाकिस्तान टीम प्रबंधन ने रावलपिंडी और लाहौर में ऐसी पिचें तैयार कराईं, जो स्पिन गेंदबाजों के लिए मददगार साबित हों। ऑस्ट्रेलिया की टीम भी अपने कई प्रमुख खिलाड़ियों के बिना मैदान में उतरी थी, जिससे मेजबान टीम को अतिरिक्त फायदा मिला। हालांकि पाकिस्तान की जीत के बावजूद देश में यह बहस जारी है कि क्या ऐसी धीमी पिचों पर मिली सफलता भविष्य की बड़ी प्रतियोगिताओं के लिए उपयोगी साबित होगी। वर्ष 2027 का वनडे विश्व कप दक्षिण अफ्रीका में खेला जाना है, जहां की पिचें आमतौर पर तेज गेंदबाजों को मदद करती हैं। ऐसे में क्रिकेट विशेषज्ञ सवाल उठा रहे हैं कि क्या घरेलू परिस्थितियों में मिली यह जीत विश्व कप की तैयारियों का सही पैमाना मानी जा सकती है। फिलहाल पाकिस्तान ने सीरीज जीतकर आत्मविश्वास जरूर हासिल किया है, लेकिन पिचों को लेकर विवाद अभी थमता नजर नहीं आ रहा।

'बंदर' में छाए बॉबी, फैंस ने बताया मास्टरपीस

यूनिक समय, नई दिल्ली। बॉबी देओल की बहुप्रतीक्षित फिल्म बंदर सिनेमाघरों में रिलीज हो गई है और दर्शकों की प्रतिक्रियाएं तेजी से सामने आ रही हैं। अनुराग कश्यप के निर्देशन में बनी इस डार्क थ्रिलर को लेकर सोशल मीडिया पर मिश्रित लेकिन ज्यादातर सकारात्मक प्रतिक्रियाएं देखने को मिल रही हैं। फिल्म में बॉबी देओल मुख्य भूमिका में हैं। उनके साथ सान्या मल्होत्रा, सपना पब्बी, सबा आजाद, इंद्रजीत सुकुमारन, राज बी शेट्टी और जितेंद्र जोशी भी अहम किरदार निभा रहे हैं। दर्शकों का कहना है कि बॉबी देओल ने अपने करियर की सबसे दमदार

डार्क थ्रिलर को मिली शानदार प्रतिक्रिया

बॉबी देओल की एक्टिंग की वाहवाही

परफॉर्मेंस में से एक दी है। फिल्म की कहानी समीर मेहरा नाम के एक सुपरस्टार के इर्द-गिर्द घूमती है, जिस पर मी-टू के गंभीर आरोप लगते हैं। इसके बाद उसकी निजी और पेशेवर जिंदगी में उथल-पुथल मच जाती है। कोर्टरूम ड्रामा, मीडिया ट्रायल और सस्पेंस से भरपूर कहानी दर्शकों को अंत तक बांधे रखने का प्रयास करती है। सोशल मीडिया पर कई दर्शकों ने फिल्म को "मास्टरपीस" बताया है। कुछ ने अनुराग कश्यप की कहानी कहने की शैली और सामाजिक मुद्दों को उठाने के साहस की सराहना की है। वहीं कुछ दर्शकों का मानना है कि फिल्म की शुरुआत प्रभावशाली है, लेकिन आगे की पटकथा थोड़ी कमजोर पड़ती है। फिर भी एक बात पर लगभग सभी सहमत नजर आए कि बॉबी देओल का अभिनय फिल्म की सबसे बड़ी ताकत है। उनकी दमदार स्क्रीन प्रेजेंस और भावनात्मक अभिनय ने दर्शकों को प्रभावित किया है। कुल मिलाकर बंदर ने रिलीज के पहले दिन ही चर्चा बटोर ली है और यह फिल्म बॉबी देओल के करियर की एक महत्वपूर्ण पेशकश मानी जा रही है।

पहले दिन ही 'पेड्डी' का बॉक्स ऑफिस पर धमाका

राम चरण की फिल्म ने बनाया रिकॉर्ड

112 करोड़ कमाकर मचाई बड़ी धूम

यूनिक समय, नई दिल्ली। साउथ सुपरस्टार राम चरण और जाह्नवी कपूर की बहुप्रतीक्षित फिल्म पेडडी ने रिलीज के पहले ही दिन बॉक्स ऑफिस पर शानदार शुरुआत करते हुए नया रिकॉर्ड बना दिया है। फिल्म ने दुनिया भर में 112 करोड़ रुपये का कारोबार कर निर्माताओं और प्रशंसकों को उत्साहित कर दिया है। वहीं भारतीय बॉक्स ऑफिस पर फिल्म ने पहले दिन 84 करोड़ रुपये की कमाई दर्ज की है। फिल्म में राम चरण और जाह्नवी कपूर मुख्य भूमिकाओं में नजर आ रहे हैं। इनके अलावा वमन ईरानी, दिव्यांदु शर्मा और शिवराज कुमार जैसे कलाकारों ने भी महत्वपूर्ण किरदार निभाए हैं। फिल्म का निर्देशन बची बाबू सना ने किया है, जिन्होंने इसकी कहानी भी लिखी है। पेडडी की कहानी एक ऐसे पहलवान के संघर्ष पर आधारित है, जो अपने गांव की प्रतिष्ठा और अस्मिता की रक्षा के लिए तमाम चुनौतियों का सामना करता है। भावनात्मक और प्रेरणादायक कहानी के साथ फिल्म में दमदार एक्शन और मनोरंजन का भी भरपूर तड़का देखने को मिलता है। फिल्म में जाह्नवी कपूर और राम चरण की जोड़ी को दर्शकों का अच्छा समर्थन मिल रहा है। वहीं दिव्यांदु शर्मा और वमन ईरानी के अभिनय की भी सराहना की जा रही है। सोशल मीडिया पर फिल्म को लेकर उत्साह बना हुआ है और दर्शक इसकी भव्यता की चर्चा कर रहे हैं। आईएमडीबी पर फिल्म को 10 में से 6.4 की रेटिंग मिली है। कुछ दर्शकों ने फिल्म की जमकर तारीफ की है, जबकि कुछ का मानना है कि कहानी और बेहतर हो सकती थी। इसके बावजूद पहले दिन की कमाई ने साफ कर दिया है कि पेडडी बॉक्स ऑफिस पर लंबी दौड़ लगाने की क्षमता रखती है। अब सभी की नजर इस बात पर है कि फिल्म 500 करोड़ क्लब तक पहुंच पाती है या नहीं।

बॉलीवुड के ग्रीक गॉड का बड़ा खुलासा

यूनिक समय, नई दिल्ली। बॉलीवुड अभिनेता ऋतिक रोशन का एक सोशल मीडिया पोस्ट तेजी से वायरल हो रहा है। पोस्ट में उन्होंने मजाकिया अंदाज में कहा कि उन्हें अच्छे और चुनौतीपूर्ण किरदार नहीं

क्यों नहीं मिल रहे मनचाहे किरदार

मिल रहे हैं। उन्होंने फिल्म लक बाय चांस के किरदार 'जफर' का जिक्र करते हुए ऐसा रोल निभाने की इच्छा जताई। ऋतिक की इस टिप्पणी के बाद फैंस ने सोशल मीडिया पर तरह-तरह की प्रतिक्रियाएं दीं। कई लोगों का मानना है कि उनकी प्रतिभा के अनुसार उन्हें और मजबूत भूमिकाएं मिलनी चाहिए। पोस्ट पर फिल्म निर्देशक सिद्धार्थ आनंद ने भी प्रतिक्रिया दी, जिससे चर्चा और तेज हो गई। हालांकि यह पोस्ट हल्के-फुल्के अंदाज में किया गया था, लेकिन इसने एक बार फिर अच्छे कंटेंट और दमदार किरदारों की जरूरत पर बहस छेड़ दी है।

कोहली की चोट से बदल सकता भारतीय टीम का संतुलन

यूनिक समय, नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट में आगामी दिनों में टीम चयन को लेकर बड़ा बदलाव देखने को मिल सकता है। अफगानिस्तान के खिलाफ प्रस्तावित वनडे सीरीज से पहले ऐसी खबरें सामने आ रही हैं कि स्टार बल्लेबाज विराट कोहली हैमस्ट्रिंग चोट के कारण टीम से बाहर हो सकते हैं। हालांकि अभी तक इस संबंध में कोई आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है, लेकिन संभावित बदलावों को लेकर क्रिकेट जगत में चर्चाओं का दौर तेज हो गया है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार यदि विराट कोहली चयन के लिए उपलब्ध नहीं रहते हैं तो उनकी जगह रुतुराज गायकवाड को भारतीय टीम में शामिल किया जा सकता है। गायकवाड फिलहाल श्रीलंका में आयोजित होने वाली त्रिकोणीय वनडे सीरीज के लिए इंडिया-ए टीम का हिस्सा हैं। ऐसे में उनके राष्ट्रीय टीम में शामिल होने की स्थिति में इंडिया-ए टीम में एक स्थान खाली हो जाएगा। यही वह परिस्थिति है जिसमें रजत

चयन समीकरण बदलेंगे पाटीदार को अवसर

पाटीदार के लिए अवसर के द्वार खुल सकते हैं। हाल के वर्षों में पाटीदार ने घरेलू क्रिकेट और आईपीएल में लगातार प्रभावशाली प्रदर्शन किया है। उनकी कप्तानी में आरसीबी ने लगातार दो बार आईपीएल खिताब जीतकर नया इतिहास रचा। पूरे टूर्नामेंट में उन्होंने बल्ले से महत्वपूर्ण योगदान देते हुए कई मौकों पर टीम को संकट से बाहर निकाला। इसके बावजूद पाटीदार को भारतीय टीम में नियमित अवसर नहीं मिल सके हैं। चयनकर्ताओं की नजर अब उनके हालिया प्रदर्शन पर है और माना जा रहा है कि उन्हें इंडिया-ए टीम में जगह देकर भविष्य की योजनाओं में शामिल किया जा सकता है। युवा और अनुभवी खिलाड़ियों के संतुलन को देखते हुए यह फैसला महत्वपूर्ण साबित हो सकता है। श्रीलंका में 9 जून से शुरू होने वाली त्रिकोणीय सीरीज में भारत, श्रीलंका और अफगानिस्तान की ए टीमें हिस्सा लेंगी। भारतीय टीम की कप्तानी तिलक वर्मा के हाथों में होगी, जबकि युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी भी टीम का हिस्सा हैं। यह टूर्नामेंट कई युवा खिलाड़ियों के लिए अपनी प्रतिभा साबित करने का बड़ा मंच माना जा रहा है। इस बीच कप्तान रोहित शर्मा की फिटनेस पर भी निगाहें टिकी हुई हैं। यदि वह समय पर पूरी तरह फिट नहीं हो पाते हैं तो युवा बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल को टीम इंडिया में मौका मिल सकता है। ऐसी स्थिति में शुभमन गिल और जायसवाल की जोड़ी पारी की शुरुआत करती दिखाई दे सकती है। फिलहाल सभी चर्चाएं संभावनाओं और मीडिया रिपोर्ट्स पर आधारित हैं। क्रिकेट प्रशंसकों की नजर अब बीसीसीआई की आधिकारिक घोषणा पर टिकी हुई है, जो आने वाले दिनों में भारतीय टीम की तस्वीर पूरी तरह साफ कर सकती है।

सीतापुर के मिश्रिख में धर्मांतरण मामले में पुलिस की बड़ी कार्रवाई

छापेमारी में 16 लोग गिरफ्तार

यूनिक समय, सीतापुर। जिले के मिश्रिख कस्बे के मोहल्ला थोक–3 में धर्मांतरण की सूचना पर पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। सूचना मिलने के बाद सीओ बृजेश कुमार और इंस्पेक्टर प्रदीप कुमार सिंह ने भारी पुलिस बल के साथ मौके पर छापा मारा, जहां कथित रूप से एक मकान में धर्म परिवर्तन से जुड़ा कार्यक्रम चल रहा था। पुलिस ने मौके से एक व्यक्ति सहित लगभग 16 लोगों को हिरासत में लिया है, जिनमें महिलाएं भी शामिल हैं। सभी को पूछताछ के लिए कोतवाली लाया गया है। अधिकारियों के अनुसार, पूरे मामले की जांच गंभीरता से की जा रही है और आगे की कार्रवाई तथ्यों के आधार पर की जाएगी। छापेमारी के दौरान पुलिस को मौके से धार्मिक

प्रचार–प्रसार से जुड़ी कई सामग्री भी बरामद हुई है। इनमें बाइबिल, स्टील स्टैंड, मोमबत्तियां और अन्य धार्मिक साहित्य शामिल बताया जा रहा है। पुलिस का कहना है कि बरामद सामग्री की भी जांच की जा रही है ताकि यह स्पष्ट हो सके कि कार्यक्रम का वास्तविक उद्देश्य क्या था।

जानकारी के अनुसार, इस कार्रवाई की सूचना राष्ट्रीय हिंदू शेर सेना के कार्यकर्ताओं द्वारा पुलिस को दी गई थी। शिकायत में आरोप लगाया गया था कि

धार्मिक सामग्री बरामद कर जांच शुरू

मकान के अंदर धर्म परिवर्तन से संबंधित गतिविधियां चल रही हैं, जिसके बाद पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित किया। इंस्पेक्टर प्रदीप कुमार सिंह ने बताया कि सभी हिरासत में लिए गए लोगों से अलग–अलग पूछताछ की जा रही है। उन्होंने कहा कि जांच पूरी होने के बाद ही यह स्पष्ट हो पाएगा कि मामला केवल धार्मिक सभा का था या इसके पीछे कोई अन्य गतिविधि भी शामिल है। फिलहाल इलाके में पुलिस सतर्क है और स्थिति पर नजर बनाए हुए है। स्थानीय प्रशासन ने लोगों से शांति बनाए रखने की अपील की है।

नोएडा हाईराइज आग में दमकल व्यवस्था पर सवाल

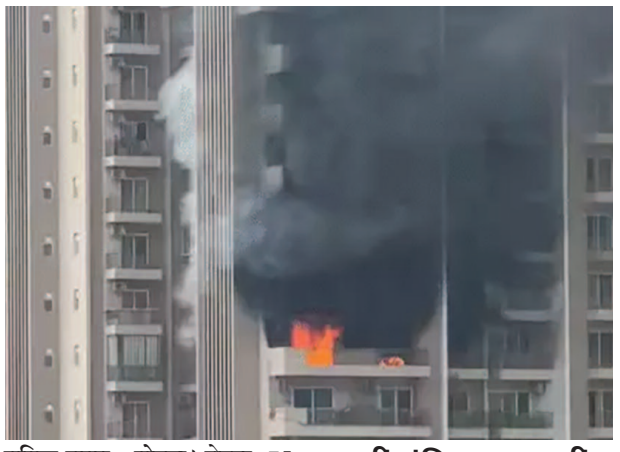

यूनिक समय, नोएडा। सेक्टर–75 स्थित आईवीवाई काउंटी सोसाइटी की 28 मंजिला इमारत में शुक्रवार सुबह बड़ा हादसा हो गया, जब 12वीं मंजिल पर स्थित एक फ्लैट में अचानक भीषण आग लग गई। तेज हवा के कारण आग तेजी से फैल गई और कुछ ही मिनटों में खिड़कियों से उंची लपटें और घना धुआं बाहर निकलने लगा। इससे पूरे इलाके में अफरा–तफरी मच गई और लोग आनन–फानन में सीढ़ियों के जरिए बाहर भागे।

सूचना मिलते ही दमकल विभाग की कई गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और बचाव कार्य शुरू किया गया। हालांकि शुरुआती कोशिशों में बड़ा तकनीकी संकट सामने आया, जब दमकल की गाड़ियों का पानी सिर्फ 5 से 6वीं मंजिल तक ही पहुंच पाया, जबकि आग 12वीं मंजिल पर लगी थी। इस वजह से आग पर काबू पाने में शुरुआती देरी हुई।

स्थिति गंभीर होती देख बाद में हाइड्रोलिक क्रेन की मदद ली गई, जिसके जरिए ऊंचाई तक पानी पहुंचाकर आग को नियंत्रित किया गया। करीब ढाई घंटे की मशक्कत के बाद आग पर पूरी तरह काबू पा लिया गया। राहत की

12वीं मंजिल तक नहीं पहुंचा पानी, रेस्क्यू में लगी हाइड्रोलिक क्रेन

बात यह रही कि किसी प्रकार की जनहानि की सूचना नहीं मिली, हालांकि दो फ्लैट आग की चपेट में आकर क्षतिग्रस्त हो गए।

घटना के दौरान सोसाइटी में मौजूद लोगों में दमकल व्यवस्था को लेकर नाराजगी भी देखने को मिली। कुछ लोगों ने आरोप लगाया कि उंची इमारतों के लिए अग्निशमन सुरक्षा प्रणाली पर्याप्त नहीं है और शुरुआती प्रतिक्रिया कमजोर रही।

इसी बीच सेक्टर–52 स्थित एक अन्य कॉम्प्लेक्स में भी आग लगने की घटना सामने आई, जहां रेस्टोरेंट के फ्रीजर में शॉर्ट सर्किट के कारण आग लगी। यहां मौजूद 15 लोगों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया और समय रहते आग पर काबू पा लिया गया।

लगातार सामने आ रही इन घटनाओं ने नोएडा की हाईराइज इमारतों की अग्नि सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

यूपी में 38 जिलों में तूफान की चेतावनी

यूनिक समय, लखनऊ। उत्तर प्रदेश में मौसम का मिजाज लगातार बदल रहा है। शुक्रवार सुबह लखनऊ, बिजनौर समेत 5 जिलों में तेज हवाएं चलीं और रुक–रुक कर बारिश हुई। इस दौरान बिजली चमकने और बादलों की गड़गड़ाहट भी देखी गई। वहीं बाराबंकी, आगरा और बरेली में हल्की बूंदाबांदी दर्ज की गई।

मौसम विभाग के अनुसार प्रदेश के 38 जिलों में आंधी–तूफान की चेतावनी जारी की गई है, जिनमें 21 जिलों में ऑरेंज अलर्ट और 17 जिलों में येलो अलर्ट शामिल हैं। इसके अलावा लखनऊ , हरदोई, कन्नौज और उन्नाव को छोड़कर बाकी करीब 70 जिलों में हल्की बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। मौसम विभाग ने बताया है कि अगले 24 घंटे तक पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय रहेगा, जिसके चलते प्रदेश में आंधी–बारिश और छिटपुट बूंदाबांदी का सिलसिला जारी रह सकता है। इसके बाद इसका असर खत्म होने पर मौसम साफ होने लगेगा।

लखनऊ स्थित आंचलिक

70 जिलों में बारिश की संभावना

मौसम विज्ञान केंद्र के वरिष्ठ मौसम वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया कि पश्चिमी विक्षोभ के कारण अभी एक–दो दिन तक आंधी–बारिश की स्थिति बनी रहेगी।

इसके बाद गर्मी तेज हो जाएगी और तेज धूप के साथ गर्म हवाएं चलने लगेंगी। उन्होंने कहा कि मानसून 24 जून तक गोरखपुर के रास्ते प्रदेश में प्रवेश कर सकता है।

गुरुवार को भी पश्चिमी विक्षोभ का असर देखने को मिला था, जिसमें पूर्वी और पश्चिमी उत्तर प्रदेश के 15 शहरों में तेज हवाओं के साथ बारिश हुई। गोरखपुर में सबसे अधिक 21.7 मिमी बारिश रिकॉर्ड की गई, जबकि बांदा सबसे गर्म शहर रहा जहां तापमान 42.2डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। वहीं आजमगढ़ में न्यूनतम तापमान 22.1 डिग्री सेल्सियस रहा। मौसम विभाग ने लोगों को सावधानी बरतने और खराब मौसम में सुरक्षित स्थानों पर रहने की सलाह दी है।

मेरठ में चंद्रशेखर की सत्ता परिवर्तन यात्रा शुरू

यूनिक समय, लखनऊ। मेरठ में सत्ता परिवर्तन यात्रा के दौरान आजाद समाज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं सांसद चंद्रशेखर आजाद ने प्रदेश और केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि वर्तमान सरकारें आम जनता के बजाय पूंजीपतियों के हित में काम कर रही हैं और युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ हो रहा है। कांशीराम पार्क से शुरू हुई इस यात्रा के दौरान उन्होंने 2027 विधानसभा चुनाव को लेकर कई बड़े वादे किए। उन्होंने कहा कि यदि उनकी पार्टी सत्ता में आती है तो इंटरमीडिएट तक शिक्षा मुफ्त की जाएगी, पांच लाख सरकारी नौकरियां दी जाएंगी, और 300 यूनिट बिजली निशुल्क मिलेगी। इसके अलावा उन्होंने पुरानी पेंशन बहाली, किसानों के लिए एमएसपी की गारंटी, शराबबंदी लागू करने और शराब के ठेकों को पुस्तकालयों में बदलने जैसे वादे भी किए। उन्होंने कहा कि सरकार बनने पर

सरकार पर लगाए गंभीर आरोप

2027 चुनाव के लिए बड़े वादे

पहली कैबिनेट बैठक में कई बड़े फैसले लिए जाएंगे। चंद्रशेखर आजाद ने कहा कि गरीब, किसान और युवा उनकी प्राथमिकता होंगे और एक न्यायपूर्ण व्यवस्था बनाई जाएगी।

राजनाथ सिंह ने लखनऊ में व्यक्त की संवेदना

यूनिक समय, लखनऊ। केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह अपने तीन दिवसीय दौरे पर लखनऊ पहुंचे, जहां उन्होंने कई कार्यक्रमों में हिस्सा लिया। इस दौरान उन्होंने दिवंगत व्यक्तियों के परिजनों से मुलाकात कर शोक संवेदना व्यक्त की और उन्हें ढाढ़स बंधाया। उन्होंने हिंद नगर में व्यापार मंडल के उपाध्यक्ष रहे अशोक मोतियानी और कपड़ा व्यापारी दर्शन लाल कुर्ती के परिजनों से मिलकर समर्थन दिया। इसके बाद उन्होंने "एक पेड़ मां के नाम" अभियान के तहत पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। बाद में वे अपर्णा यादव के आवास पहुंचे और दिवंगत प्रतीक यादव को श्रद्धांजलि अर्पित की।

उत्तर प्रदेश में शिक्षकों के तबादले की प्रक्रिया शुरू

यूनिक समय, लखनऊ। उत्तर प्रदेश में परिषदीय विद्यालयों के शिक्षकों के अंतरजनपदीय तबादलों की प्रक्रिया औपचारिक रूप से शुरू कर दी गई है। शासन के आदेश के बाद बेसिक शिक्षा परिषद ने विस्तृत दिशा–निर्देश जारी कर दिए हैं, जिसके तहत इच्छुक शिक्षकों को अपने संबंधित जिले के बेसिक शिक्षा अधिकारी (बीएसए) कार्यालय में आवेदन करना होगा।

जारी निर्देशों के अनुसार, सभी प्राप्त आवेदनों का सत्यापन बीएसए स्तर पर किया जाएगा। इसके बाद निर्धारित तिथि तक सभी विवरणों को ऑनलाइन पोर्टल पर अपलोड करना अनिवार्य होगा। इस प्रक्रिया को पारदर्शी और समयबद्ध तरीके से पूरा करने के निर्देश भी संबंधित अधिकारियों को दिए गए हैं। परिषद ने यह भी स्पष्ट किया है कि तबादला प्रक्रिया तय मानकों के आधार पर पूरी की जाएगी। जिन शिक्षकों का स्थानांतरण एक जिले से दूसरे जिले में होगा, उन्हें नए जिले की वरिष्ठता सूची में अंतिम स्थान प्रदान किया जाएगा। यह व्यवस्था वरिष्ठता निर्धारण में एकरूपता बनाए रखने के लिए लागू की गई है।

तबादला प्रक्रिया शुरू होने से शिक्षकों में उत्साह का माहौल है और बड़ी संख्या में शिक्षक आवेदन करने की तैयारी में जुट गए हैं। कई शिक्षक

बीएसए कार्यालय में देना होगा प्रार्थना पत्र

अपने व्यक्तिगत और पारिवारिक कारणों के चलते लंबे समय से तबादले की प्रतीक्षा कर रहे थे, ऐसे में यह निर्णय उनके लिए राहत भरा माना जा रहा है।

शिक्षा विभाग ने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया है कि प्रक्रिया को समय सीमा के भीतर पूरा किया जाए। बीएसए को 20 जून तक सभी आवेदनों का सत्यापन कर पोर्टल पर जानकारी अपलोड करनी होगी, जिसके बाद आगे की कार्यवाही निर्धारित मानकों के अनुसार की जाएगी। अधिकारियों का कहना है कि इस प्रक्रिया से शिक्षकों की तैनाती व्यवस्था अधिक सुव्यवस्थित होगी और शिक्षा व्यवस्था को भी बेहतर बनाने में मदद मिलेगी।

सीएम योगी ने शुरू किया वृक्षारोपण अभियान

प्रदेशभर में लाखों पौधे लगाने का लक्ष्य

यूनिक समय, लखनऊ । विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कुकरेल वन क्षेत्र में वृक्षारोपण कर "एक पेड़ मां के नाम" अभियान का शुभारंभ किया। इस दौरान उन्होंने पर्यावरण संरक्षण को लेकर बड़ा संदेश देते हुए लोगों से अधिक से अधिक पौधे लगाने की अपील की।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आज पूरा विश्व पर्यावरण संकट से जूझ रहा है और यह संकट मुख्य रूप से मानव निर्मित है। उन्होंने कहा कि बढ़ते प्रदूषण, अनियंत्रित विकास और प्राकृतिक संसाधनों के अत्यधिक दोहन के कारण मौसम चक्र प्रभावित हो रहा है, जिससे अतिवृष्टि और अनावृष्टि जैसी समस्याएं सामने आ रही हैं।

सीएम योगी ने कहा कि इस गंभीर समस्या का समाधान भी मानव को ही निकालना होगा। उन्होंने जोर देकर कहा कि हर व्यक्ति को ऐसे कार्यों से बचना चाहिए जो पर्यावरण को नुकसान पहुंचाते हैं और इसके स्थान पर वृक्षारोपण एवं हरियाली बढ़ाने वाले प्रयासों में भाग लेना चाहिए। इस अवसर पर राज्यभर में "एक पेड़ मां के नाम" अभियान के तहत व्यापक स्तर पर पौधरोपण किया गया। सरकार का लक्ष्य है कि पूरे प्रदेश में लाखों पौधे लगाकर पर्यावरण संतुलन को मजबूत किया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह

पर्यावरण संरक्षण पर दिया संदेश

एक पेड़ मां के नाम पहल शुरू

अभियान केवल पौधे लगाने तक सीमित नहीं है, बल्कि इसे जनआंदोलन के रूप में आगे बढ़ाना होगा ताकि आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ और सुरक्षित पर्यावरण मिल सके। उन्होंने यह भी कहा कि पर्यावरण संरक्षण हमारी संस्कृति और परंपरा का हिस्सा रहा है, जिसे आज फिर से मजबूत करने की आवश्यकता है। कार्यक्रम के अंत में मुख्यमंत्री ने स्वयं पौधरोपण कर लोगों को पर्यावरण बचाने का संदेश दिया।

इलेक्ट्रिक शोरूम में लगी आग, 20 लोग बचाए

सीढ़ी रस्सी से किया गया रेस्क्यू

शॉर्ट सर्किट से आग लगने की आशंका

यूनिक समय, नई दिल्ली। इंदौर के लसूड़िया थाना क्षेत्र स्थित खालसा चौक के पास शुक्रवार सुबह एक इलेक्ट्रिक वाहनों के शोरूम में अचानक आग लग गई, जिससे इलाके में अफरा–तफरी मच गई। आग इतनी तेजी से फैली कि बिल्डिंग की ऊपरी मंजिलों पर रहने वाले छह परिवारों के करीब 20 लोग अंदर फंस गए। सूचना मिलते ही पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची और रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया। फायर टीम, पुलिस और स्थानीय लोगों ने मिलकर सीढ़ियों और रस्सियों की मदद से सभी लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला। रेस्क्यू ऑपरेशन करीब एक घंटे तक चला और सभी लोगों को सुरक्षित बचा लिया गया। प्राथमिक जांच में शॉर्ट सर्किट को आग लगने का कारण माना जा रहा है, हालांकि वास्तविक कारणों की जांच जारी है। आग काइनेटिक ग्रीन कंपनी के शोरूम में लगी थी, जहां एक ई–रिक्शा चार्जिंग पर था। समय रहते कार्रवाई से बड़ा हादसा टल गया और किसी तरह की जनहानि नहीं हुई।

दिल्ली विश्वविद्यालय प्रोफेसर की संदिग्ध हालत में मौत

यूनिक समय, नई दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय के शिवाजी कॉलेज की असिस्टेंट प्रोफेसर देवोस्मिता पॉल (49) का शव गुरुवार को पूर्वी दिल्ली के वसुंधरा एन्क्लेव स्थित उनके फ्लैट में संदिग्ध परिस्थितियों में मिला। वह फ्लैट में अकेली रहती थीं। घटना के समय घर बाहर से बंद पाया गया, जिससे हत्या की आशंका और गहरी हो गई है। सूचना मिलने पर परिजन और पुलिस मौके पर पहुंचे। क्राइम टीम और फॉरेंसिक विशेषज्ञों ने घटनास्थल की जांच की और साक्ष्य जुटाए। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है और इसे हत्या के एंगल से देखा जा रहा है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है और आरोपी की पहचान व तलाश में कई टीमें लगाई गई हैं। पुलिस आसपास के सीसीटीवी फुटेज और कॉल डिटेल रिकॉर्ड खंगाल रही है। मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच तेज कर दी गई है।

सहारा रेगिस्तान में भीषण गर्मी और प्यास से 49 लोगों की मौत

यूनिक समय, नई दिल्ली। नाइजर के सहारा रेगिस्तान में एक दर्दनाक हादसे में 49 लोगों की प्यास और भीषण गर्मी के कारण मौत हो गई। जानकारी के अनुसार, सभी लोग माली से एक धार्मिक त्योहार में शामिल होकर लौट रहे थे, तभी उनका ट्रक रेगिस्तान के सुनसान इलाके में खराब हो गया। यह घटना अगादेज गवर्नरेट के पास अस्सामाका से लगभग 80 किलोमीटर दूर हुई।

ट्रक खराब होने के बाद यात्रियों और चालक ने उसे ठीक करने की कोशिश की, लेकिन सफलता नहीं मिली। धीरे–धीरे वाहन में मौजूद पानी खत्म हो गया और आसपास किसी भी प्रकार का जल स्रोत नहीं मिला। तेज धूप, जलती रेत और अत्यधिक तापमान के कारण लोगों की हालत बिगड़ती चली गई और एक–एक कर 49 लोगों की मौत हो गई।

दो लोग पैदल चलकर बचे

इस हादसे में केवल दो लोग किसी तरह जीवित बच पाए, जिन्होंने लगभग 50 किलोमीटर पैदल चलकर पानी वाले क्षेत्र तक पहुंचकर प्रशासन को सूचना दी। सूचना मिलने पर बचाव दल मौके पर पहुंचा, लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी। मृतकों को बाद में सामूहिक रूप से दफनाया गया।

मोहाली में प्यार बना मौत का कारण

ऑफिस में प्रेमिका की हत्या से सनसनी

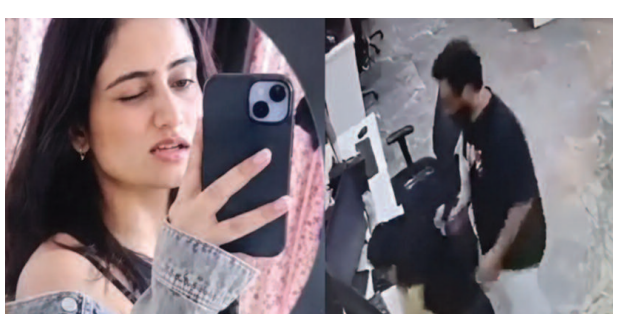

यूनिक समय, नई दिल्ली। मोहाली में एक प्राइवेट कंपनी का ऑफिस उस समय खौफ का मैदान बन गया, जब वहां काम करने वाला एक युवक अपनी ही पूर्व प्रेमिका पर अचानक चाकू लेकर टूट पड़ा। तीन साल के रिश्ते की कहानी का अंत इतना भयावह होगा, किसी ने सोचा भी नहीं था।

आरोपी हरविंदर मान और मृतका डिंपल पहले एक ही कंपनी में साथ काम करते थे। धीरे–धीरे दोनों के बीच नजदीकियां बढ़ीं और रिश्ता प्यार में बदल गया, लेकिन कुछ समय पहले ब्रेकअप हो गया। इसके बाद आरोपी डिंपल को वापस पाने की कोशिश करता रहा, जबकि वह आगे बढ़ चुकी थी। आरोपी अचानक ऑफिस पहुंचा और दोनों के बीच कहासुनी शुरू हो गई। कुछ ही पलों में बहस ने हिंसक रूप ले लिया और आरोपी ने डिंपल पर चाकू से ताबड़तोड़ वार कर दिए। जान बचाने के लिए डिंपल ऑफिस में इधर–उधर भागती रही, लेकिन आरोपी ने उसका पीछा नहीं छोड़ा। ऑफिस में मौजूद लोग दहशत में आ गए और बचाव की कोशिशें की गईं, लेकिन हमला इतना तेज था कि किसी को रोकने का मौका नहीं मिला। वारदात के बाद आरोपी ने खुद का गला भी काट लिया। दोनों को अस्पताल ले जाया गया, जहां डिंपल को मृत घोषित कर दिया गया, जबकि आरोपी गंभीर हालत में भर्ती है। पुलिस ने मामला दर्ज कर सीसीटीवी फुटेज कब्जे में ले ली है और जांच जारी है। यह घटना एक बार फिर रिश्तों में बढ़ती असुरक्षा और गुस्से के खतरनाक अंजाम को सामने लाती है।

ब्रेकअप के बाद ऑफिस में हमला

युवक ने ताबड़तोड़ चाकूओं से किया वार

कोचिंग फायरिंग मामले में खान सर की बढ़ीं मुश्किलें

यूनिक समय, नई दिल्ली। चर्चित शिक्षक फैसल खान उर्फ खान सर की मुश्किलें बढ़ती नजर आ रही हैं। पटना के कदमकुआं थाना क्षेत्र में उनकी कोचिंग से जुड़े फायरिंग मामले में पुलिस ने उनके खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है। मामले में फायरिंग और आर्म्स एक्ट की धाराएं लगाई गई हैं।

पुलिस की कार्रवाई उस वीडियो के सामने आने के बाद तेज हुई, जिसमें कोचिंग परिसर से गोली चलने का दावा किया जा रहा है। इसके बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू करते हुए खान सर की भूमिका की पड़ताल शुरू कर दी है।

वहीं खान सर ने कहा है कि उन्हें एफआईआर की जानकारी नहीं है। उनका कहना है कि फायरिंग आत्मरक्षा के तहत की गई थी। उनके अनुसार कोचिंग परिसर की सुरक्षा में तैनात गार्डों ने हालात को देखते हुए गोली चलाई थी। खान सर ने कहा कि वह जांच में पूरा सहयोग करेंगे। फिलहाल पुलिस वीडियो फुटेज और अन्य साक्ष्यों के आधार पर मामले की जांच कर रही है। जांच पूरी होने के बाद आगे की कार्रवाई तय की जाएगी।

पुलिस ने दर्ज की एफआईआर

आत्मरक्षा में फायरिंग का दावा

तेलंगाना में आग हादसे में तीन लोगों की मौत

सिलेंडर फटने से आग लगने की आशंका, महिला और दो बच्चों की मौत

यूनिक समय, नई दिल्ली। तेलंगाना के कलाकावाडा इलाके में गुरुवार देर रात एक दर्दनाक हादसा हुआ, जिसमें घर में आग लगने से तीन लोगों की मौत हो गई। शुरुआती जानकारी के अनुसार, आग लगने की वजह गैस सिलेंडर फटने की आशंका जताई जा रही है। घटना की सूचना रात करीब 12:30 बजे फायर विभाग को मिली, जिसके बाद फायर ब्रिगेड की टीम तुरंत मौके पर पहुंची और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया।

हादसे में एक महिला, एक लड़की और एक लड़के की मौत हो गई। आग इतनी भीषण थी कि घर का बड़ा हिस्सा जलकर खाक हो गया। स्थानीय लोगों की मदद से राहत और बचाव कार्य शुरू किया गया, लेकिन तब तक तीनों की जान जा चुकी थी। पुलिस ने शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है।

दिल्ली मेयर को ईमेल पर मिली धमकी

इमारत की तलाशी में कुछ नहीं मिला

पुलिस ईमेल भेजने वाले की जांच

यूनिक समय, नई दिल्ली। दिल्ली नगर निगम के मेयर की आधिकारिक ईमेल आईडी पर गुरुवार को एक धमकी भरा संदेश मिला, जिसमें दिल्ली और आसपास के इलाकों में विस्फोट की चेतावनी दी गई थी। संदेश मिलते ही सुरक्षा एजेंसियां सतर्क हो गईं। पुलिस, बम निरोधक दस्ता और डॉग स्क्वॉड की टीम ने तुरंत मेयर कार्यालय सहित पूरी इमारत, पार्किंग क्षेत्र और आसपास के कॉमन एरिया की गहन तलाशी ली। तलाशी अभियान के दौरान किसी भी प्रकार की संदिग्ध वस्तु या विस्फोटक सामग्री नहीं मिली, जिसके बाद राहत की स्थिति बनी। प्रारंभिक जांच में इसे अफवाह फैलाने या डर पैदा करने की कोशिश माना जा रहा है। पुलिस की तकनीकी टीम अब ईमेल भेजने वाले व्यक्ति की पहचान और लोकेशन का पता लगाने में जुटी है। साइबर सेल भी इस मामले की जांच कर रही है ताकि यह पता लगाया जा सके कि यह धमकी वास्तविक थी या केवल गलत सूचना फैलाने का प्रयास। प्रशासन ने लोगों से अफवाहों पर ध्यान न देने की अपील की है।

पुलिस ने अमरनाथ यात्रा पहचान ऐप लॉन्च किया

यूनिक समय, नई दिल्ली। जम्मू–कश्मीर पुलिस ने अमरनाथ यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं की सुरक्षा बढ़ाने के लिए 'पहचान ऐप' लॉन्च किया है। यह दफ कोड आधारित मोबाइल एप है, जिसके जरिए यात्रा मार्ग और सेवा देने वाले लोगों का रजिस्ट्रेशन किया जाएगा। इस सिस्टम के तहत घोड़े वाले, पिट्ठू , दुकानदार और अन्य सेवा देने वाले लोगों की पहचान डिजिटल रूप से दर्ज की जाएगी।

पुलिस के अनुसार इस ऐप से फर्जी और संदिग्ध व्यक्तियों की पहचान करना आसान होगा और श्रद्धालुओं को केवल सत्यापित सेवाएं ही मिल सकेंगी। इससे भीड़ नियंत्रण, अधिक वसूली और विवाद जैसी समस्याओं में भी कमी आने की उम्मीद है।

यह पहल अमरनाथ यात्रा को अधिक सुरक्षित, व्यवस्थित और पारदर्शी बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है। अधिकारियों का कहना है कि दफकोड स्कैन करके किसी भी व्यक्ति की पहचान तुरंत जांची जा सकेगी। पूरी प्रक्रिया को डिजिटल रिकॉर्ड के रूप में सुरक्षित रखा जाएगा ताकि जरूरत पड़ने पर जांच में आसानी हो सके।

घोड़े वाले दुकानदार पिट्ठू होंगे पंजीकृत

क्यूआर कोड से तुरंत होगी पहचान

अन्नामलाई ने भाजपा छोड़कर नई पार्टी बनाई

यूनिक समय, नई दिल्ली। तमिलनाडु की राजनीति में बड़ा बदलाव हुआ है। भारतीय जनता पार्टी के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष के. अन्नामलाई ने पार्टी से इस्तीफा देने के बाद नई राजनीतिक पार्टी बनाने की घोषणा की है। उन्होंने सोशल मीडिया पर वीडियो संदेश जारी कर कहा कि वह एक नया राजनीतिक आंदोलन शुरू करेंगे।

उनका कहना है कि पिछले कई महीनों से पार्टी नेतृत्व के साथ मतभेद चल रहे थे और विचारधारा में अंतर बढ़ गया था। इसी कारण उन्होंने यह निर्णय लिया। उन्होंने यह भी कहा कि उनकी नई पार्टी तमिलनाडु की राजनीति में वैकल्पिक शक्ति के रूप में उभरेगी और 2031 के विधानसभा चुनाव में भाग लेगी।पूर्व आईपीएस अधिकारी रहे अन्नामलाई अपेक्षित सफलता नहीं मिल सकी।

उन्होंने दावा किया कि उन्होंने पहले ही 2025 में इस्तीफे की सूचना दे दी थी, लेकिन नेतृत्व ने उन्हें चुनाव तक बने रहने को कहा था।

बाद में 2 जून 2026 को उन्होंने औपचारिक रूप से इस्तीफा दिया।

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि उनके इस फैसले से तमिलनाडु की राजनीति में नए समीकरण बन सकते हैं और भाजपा की राज्य इकाई पर भी असर पड़ेगा।

चेन्नई में राजनीतिक बदलाव की शुरुआत

2031 विधानसभा चुनाव में भागीदारी घोषित

2020 में भारतीय जनता पार्टी में शामिल हुए थे और बाद में उन्हें तमिलनाडु भाजपा का प्रदेश अध्यक्ष बनाया गया था। उनके नेतृत्व में पार्टी ने राज्य में संगठन विस्तार किया, हालांकि विधानसभा चुनावों में

धरा पर हरियाली सहेजने को जुटे हाथ, रोपे गए पौधे

पौधारोपण करते नागरिक सुरक्षा विभाग के अधिकारी।

राजकीय संग्रहालय में पौधारोपण करते अधिकारी।

पौधारोपण करते भाजपा धौलीप्याऊ मंडल के पदाधिकारी आदि।

एक पेड़ मां के नाम लगाने का लिया संकल्प

रोपित पौधों के संरक्षण को ली गई शपथ

आईओपी महाविद्यालय में पौधारोपण करते एनसीसी के कैडिट्स एवं स्वयं सेवक।

प्रशस्ति पत्र और मेडल पाने के बाद अतिथियों और पदाधिकारियों के साथ प्रतिभागी।

यूनिक समय, मथुरा। शुक्रवार को विश्व पर्यावरण दिवस पर शहर से गाव तक हरियाली सहेजने को हजारों हाथ जुटते रहे। छायादार पौधों के अलावा फलदार भी पौधे रोपे गए। पौधों के संरक्षण को शपथ भी ली गई। नागरिक सुरक्षा विभाग ने उप नियंत्रक कश्मीर सिंह के निर्देशन में वार्डन पोस्ट संख्या एक के पोस्ट वार्डन और मास्टर ट्रेनर अशोक यादव के नेतृत्व में वेटरनरी कॉलेज, औरंगाबाद और दामोदर पुरा के अलावा कई स्थानों पर पौधे रोपे। मास्टर ट्रेनर ने स्वयंसेवकों को एक पेड़ मां के नाम लगाने, पौधों के संरक्षण और देखभाल करने की शपथ दिलाई। इस मुहिम में डिप्टी पोस्ट वार्डन विकास सोनी, सेक्टर वार्डन राम सैनी, हेमंत, राजेश कुमार, शुभम कुमार, गुलशेर, पवन प्रकाश, अविनाश, अरुण, देवेन्द्र, श्याम नरेश अग्रवाल, पंकज गर्ग, रोहित कुशवाह, पंकज कुमार,अनुज आदि ने हिस्सा लिया।

राया के खंड शिक्षा अधिकारी बुद्धसिंह के नेतृत्व में राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ टीम, गोवर्धन दास गुप्ता जिला मीडिया प्रमुख, हरिओम गुप्ता ब्लॉक अध्यक्ष, शैलेंद्र परिहार ब्लॉक महामंत्री, मोहन श्याम रावत, दीपक गुप्ता जिला संरक्षक शिक्षामित्र संघ, उमेश गुप्ता ने प्राथमिक विद्यालय गौसना और लोहवन में पौधारोपण किया गया। इस दौरान फलदार पौधे रोपे गए।

विद्यार्थी परिषद के प्रांत प्रमुख डॉ राकेश चन्द्र चतुर्वेदी ने संकट मोचन हनुमान मंदिर मार्ग और आवास आदि स्थानों पर पौधे रोपित किए। राधिका विहार पार्क में भाजपा महानगर धोली प्याऊ मंडल महामंत्री धर्मेश नौहवार ने कार्यकर्ताओं,स्थानीय नागरिकों के साथ पौधे रोपित किए। कार्यक्रम में मंडल अध्यक्ष नितिन कौशिक, मीडिया प्रभारी पंकज खंडेलवाल, राहुल सिंह राठौर, यदुवीर सिंह सिसोदिया, संतोष लवानिया, कैप्टन वीरेंद्र सिंह,बच्चू सिंह सूबेदार, श्याम गौतम, विजेंद्र सिंह, मुकेश अग्रवाल ,गोपेश अग्रवाल, बच्चू सिंह आदि उपस्थित है

राजकीय संग्रहालय परिसर में भी विभिन्न प्रकार के पौधे रोपे गए। इस अवसर पर संग्रहालय के उप निदेशक योगेश कुमार, सहायक निदेशक डॉ. प्रतिभा द्विवेदी और अन्य कार्मिकों ने योगदान दिया।

वृंदावन। विश्व पर्यावरण दिवस पर प्रयास संस्था ने वृक्ष जन्मोत्सव का आयोजन किया। मिर्जापुर धर्मशाला के पास हुए कार्यक्रम में सर्वोच्च न्यायालय के पर्यावरण विधिवेत्ता आकाश वशिष्ठ ने कहा कि संस्था द्वारा वृक्ष जन्मोत्सव मनाकर एक अलग और अनूठा संदेश समाज को दिया है। फ्रेंडस ऑफ वृंदावन के निदेशक जगन्नाथ पोद्दार ने पौधा लगाने के साथ– साथ संरक्षण करने पर जोर दिया। बच्चों ने पर्यावरण विषय पर पेंटिंग बनाई। सभी प्रतिभागी बच्चों को मेडल और प्रशस्ति पत्र प्रदान किए गए। इस अवसर पर अभय वशिष्ठ, संजीव वर्मा, प्रवीण वशिष्ठ, मोहित गुप्ता,विवेक आचार्य और सुशील गौतम उपस्थित थे।

वहीं, आईओपी महाविद्यालय में पौधारोपण हुआ। कार्यक्रम अधिकारी हेमेन्द्र कुमार के नेतृत्व में एनसीसी कैडेट्स, राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों ने पौधारोपण में योगदान दिया। प्रो. योगेन्द्र पाल सिंह सोलंकी ने बताया कि यह दिन हमें याद दिलाता है कि स्वच्छ और सुरक्षित पर्यावरण के बिना जीवन संभव नही हैं। इस अवसर पर, प्रो. सरला शर्मा, प्रो. योगेन्द्र पाल सिंह सोलंकी, प्रो. संजय कुमार सिंह, प्रो. दीपिका वर्मा, डॉ. केएल अग्रवाल, डॉ. वीरेंद्र कुमार शर्मा, डॉ. विवेक शर्मा, डॉ. निधि सिंह, सुनीत शुक्ला, डॉ. अनुज कुमार, मृदुला पांडेय, पवित्र गोस्वामी, धर्मेन्द्र कुमार, सुभाष कृष्ण सरकार और सौरभ कुलश्रेष्ठ उपस्थित थे।

शुक्रवार को परिक्रमा मार्ग स्थित हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉपरेशन और वन विभाग ने सैंकड़ों पौधे रोपे। पर्यावरण को स्वच्छ रखने को रैली निकाली गई।

स्वच्छता रैली का शुभारंभ मुख्य क्षेत्रीय प्रबंधक आगरा विनय कंठ, विक्रय अधिकारी सुकृती सरोतिया, मापतोल अधिकारी पवन कुमार, सीओ अनिल कुमार सिंह, वन विभाग के सीओ ओम रॉय ने पौधारोपण करके किया। इस दौरान पीपल, कांजी, नीम, बबूल, जामुन आदि के करीब 150 पौधे रोपे गए। मुख्य क्षेत्रीय प्रबंधक विनय कंठ ने कहा कि धार्मिक मान्यताओं के साथ ये पेड़ लंबे समय तक जीवित रहते है। सीओ अनिल कुमार सिंह ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण के लिए लोग अधिक से अधिक पौधें लगाएं। इस मौके पर धनीराम फिलिंग स्टेशन के संचालक डॉ. देवेंद्र सिंह, प्रदीप शर्मा, पवन बोहरे, अमित कुमार, विनीत कपूर, विशाल, पवन उपाध्याय, देवेंद्र सिंह आदि उपस्थित रहे।

महुवन टोल प्लाजा पर पौधारोपण करते मैनेजर ओकिल शर्मा।

परिक्रमा मार्ग में पौधारोपण करते मुख्य क्षेत्रीय प्रबंधक विजय कंठ, सीओ अनिल कुमार सिंह और अन्य।

यमुना घाटों पर आरती, सफाई को जुटे हाथ

ब्रह्माण्ड घाट पर आयोजित कार्यक्रम में सीडीओ डा . पूजा गुप्ता और विधायक पूरन प्रकाश आदि।

छह लाख पौधे रोपित करने का दावा

यूनिक समय, मथुरा। डीपीआरओ धनजंय जायसवाल ने बताया कि विश्व पर्यावरण दिवस पर ग्राम पंचयतो में पौधारोपण भी हुआ। जिले की 495 ग्राम पंचायतों में जन सहभागिता और प्रधान, सचिव के माध्यम से यमुना नदी के घाटों पर स्वच्छता श्रमदान और प्लास्टिक मुक्त तालाब-अमृत सरोवरों पर अभियान चलाकर छह लाख पौधों का रोपण कराया गया।

घाटों पर जनसहभागिता से हुआ श्रमदान

ग्रामीणों को नदी स्वच्छता के बताए गए मायने

यूनिक समय, मथुरा। शुक्रवार को विश्व पर्यावरण दिवस पर यमुना घाटों पर प्रेरणादाई कार्यक्रम हुए। यमुना आरती के बाद अधिकारी और जनप्रतिनिधियों ने ग्रामीणों के साथ मिलकर घाट किनारे सफाई को श्रमदान किया। पौधे रोपित करके ग्रामीणों को पर्यावरण संरक्षण का महत्व समझाया गया। बल्देव ब्लाक की ग्राम पंचायत नूरपुर स्थित ब्रह्माण्ड घाट मुख्य कार्यक्रम हुआ। यहां सीडीओ डा. पूजा गुप्ता की मौजूदगी में यमुना की आरती की गई। घाट किनारे साफ– सफाई को श्रमदान हुआ। अधिकारियों के अलावा विधायक पूरन प्रकाश आदि ने आरती में सहभागिता की। वेदपाठी वटुकों ने पूजन कराया। इस मौके पर सीडीओ ने ग्रामीणों से यमुना घाटों को स्वच्छ बनाने को श्रमदान करने के लिए प्रेरित करते हुए कहा कि आसपास का वातावरण सुंदर– स्वच्छ होने से मन को शांति मिलती है। कार्यक्रम के दौरान अधिकारियों ने अर्जुन, जामुन समेत कई प्रजातियों के पौधे भी रोपित किए और ग्रामीणों को इनका संरक्षण करने के लिए शपथ दिलाई। कार्यक्रम में एसडीएम महावन, डीपीआरओ धनजंय जायसवाल, बीडीओ बल्देव नेहा रावत के अलावा सचिव, ग्राम प्रधान आदि मौजूद रहे।

वहीं, ऐसे कार्यक्रम यमुना किनारे वाली 29 ग्राम पंचायतों में भी हुए। जिला स्तरीय नोडल अधिकारियों की मौजूदगी में यमुना किनारे जनसहभागिता से स्वच्छता को श्रमदान किया और पौधे रोपित किए। सीडीओ डा. पूजा गुप्ता ने बताया कि यमुना किनारे के अलावा 67 अन्य ग्राम पंचायतों में ऐसे कायक्रम किए गए। अधिकारियों ने ग्रामीणों को पर्यावरण का महत्व बताया। सफाई रखने के लिए प्रेरित किया।

ब्रज संस्कृति में पर्यावरण से जुड़ा भाव प्राचीन समय से

वराह घाट स्थित मदनटेर पर आयोजित संगोष्ठी में मौजूद अतिथियों के साथ अन्य।

यूनिक समय, वृंदावन। विश्व पर्यावरण दिवस पर वृंदावन शोध संस्थान, श्रीहित राधावल्लभ सेवा ट्रस्ट और लायन्स क्लब नई दिल्ली श्रीराधा के संयुक्त तत्वावधान में पौधारोपण, ब्रज संस्कृति में पर्यावरण संचेतना विषयक परिचर्चा औरसदीप्त प्रस्तुतिकरण आदि कार्यक्रम हुए।

वराह घाट स्थित मदनटेर पर आयोजित पौधारोपण और संगोष्ठी में श्रीहित सुकृतलाल गोस्वामी ने कहा ब्रज संस्कृति में पर्यावरण से जुड़ा भाव प्राचीन समय से ही देखा जा सकता है। उन्होंने कहा कि ब्रजभाषा साहित्य और श्रीराधाकृष्ण की लीलाओं से भी प्रकृति का जुड़ाव दृष्टिगोचर होता है। गुरूग्राम से आई डा. इन्दु राव ने ब्रज के भक्तिकालीन संत–आचार्यों की वाणी से पर्यावरण संरक्षण की सीख लेने के संदर्भ में अवगत कराया। लायन प्रीती होरा ने कहा कि ब्रज के बारह वन श्रीकृष्ण की लीला स्थली होने के कारण अपना महत्व रखते हैं।

श्रीहित हितांशलाल गोस्वामी ने बताया कि ब्रज के प्राकृतिक सौंदर्य और सांस्कृतिक सौहार्द के मूल में पर्यावरण पोषण और संरक्षण का भाव निहित है। इस दौरान वृंदावन शोध संस्थान परिसर में भाजपा शक्ति केंद्र प्रभारी दीपक बघेल और संस्थान कर्मियों ने पौधारोपण किया। कार्यक्रम में उदय अवस्थी ने विचार व्यक्त किए। डा. करूणेश उपाध्याय ने अतिथियों का स्वागत किया। संचालन डा. राजेश शर्मा ने किया। इस अवसर पर रामगोपाल महंत, सुरेशचंद्र शर्मा, ठा. कालीचरण सिंह, महेश भारद्वाज, अनंतलाल गोस्वामी, निहारिका गोस्वामी, धनश्री गोस्वामी आदि उपस्थित रहे। प्रशासनिक अधिकारी रजत शुक्ला ने आभार जताया।